तापमान
अधिकतम 40 .5 डिग्री
न्यूनतम 21.5 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि

रोहतक, रविवार 8 जून 2025

10 सवारियों से भरी रोडवेज में लगी आग, मेटेंनेंस के अभाव में खतरे में पड़ रही यात्रियों की जान

12 पशुपालकों के समक्ष घुटनों पर कंपनी प्रबंधन मुआवजा देकर पिंड छुड़ाने का प्रयास

SURAJ DEGREE COLLEGE
Mahendergarh
Affiliated to IGU, MEERPUR -REWARI
web : www.surajeducation.com

Heartiest Congratulations

Fabulous University **Results** सर्वाधिक मेरिट Toppers TOP-10 MERIT LIST

PRIDE OF SURAJ

!! पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान

1st B.Sc MED 2nd Sem

UMANG
D/o Mr. Vijay Singh, Kanheti

1st B.Com 3rd Sem

JUHI
D/o Mr. Chanderprakash, Jhagroli

1st B.C.A. 1st Sem

PARV
S/o Mr. Mukesh, Narnaul

1st M.A. ENG 1st Sem

MONIKA
D/o Mr. Naresh Kumar, Satnali

1st B.A 5th Sem

TANNU
D/o Mr. Mukesh, Mahendergarh

1st BCA 3rd Sem

MUSKAN
D/o Mr. Ajit Singh, Luhana

University Rank 2

VAIBHAVI
D/o Mr. Rajesh Bhiwani
M.A. ENG - 1st Sem

University Rank 2

ANJALI
D/o Mr. Ajit Singh Bassai
M.Sc Che 1st Sem

University Rank 2

MANISHA
D/o Mr. Surender Singh Kotia
B.Sc H Phy 4th Sem

University Rank 2

UJALA
D/o Mr. Kuldeep Singh Nangal Harnath
B.A. 5th Sem

University Rank 2

POOJA
D/o Mr. Vikram Kumar Ramalwas
B.B.A. 3rd Sem

University Rank 2

EKTA
D/o Mr. Sujan Singh Deroli Jat
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 2

EKTA
D/o Mr. Mehar Chand Khatiwas
B.A. 6th Sem

University Rank 3

NISHANT
S/o Mr. Jai Ram Sharma Maroli
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 3

PRIYANSHI
D/o Mr. Ashok Kumar Rewari
M.A. ENG 4th Sem

University Rank 3

ISHA
D/o Mr. Satish Mahendergarh
B.Sc. Life Sciences 1st Sem

University Rank 3

SABNAM
D/o Mr. Mobin Khan Dongra Ahir
M.Sc Phy. 1st Sem

University Rank 3

LAXMI
D/o Mr. Santosh Kumar Kanina
M.Sc. PHY 3rd Sem

University Rank 3

ANGITA
D/o Mr. Arjun Garg Siha
M.A. ENG 3rd Sem

University Rank 3

SNEHA
D/o Mr. Rajesh Kumar Mahendergarh
B.Com. 5th Sem

University Rank 4

PUNAM
D/o Mr. Ashok Kumar Kapoori
B.Com 6th Sem

University Rank 4

MS DEEPIKA
D/o Mr. Kirori Lal Gheeloth
M.Sc Maths 4th Sem

University Rank 4

SNEH
D/o Mr. Mahipal Rasulpur
B.Sc. Med 5th Sem

University Rank 4

PARVEEN
S/o Mr. Devender Kumar Bawania
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 4

JYOTI
D/o Mr. Gillu Ram Dewas
M.A. Eng 1st Sem

University Rank 4

SAKSHI
D/o Mr. Bhupender Singh Charkhi Dadri
M.Sc. Geo 1st Sem

University Rank 4

SARITA
D/o Mr. Rohtash Ratta Kalan
M.Sc. Phy 3rd Sem

University Rank 5

SONAM
D/o Mr. Ramesh Kumar Chhithroli
B.Com. 1st Sem

University Rank 5

TAMANNA
D/o Mr. Devender Singh Dhawana
B.A. 1st Sem

University Rank 5

PAYAL
D/o Mr. Anil Kumar Adalpur
B.Sc Life Sciences 1st Sem

University Rank 5

NITESH
S/o Mr. Surender Singh Nahar
M.Sc. Phy 4th Sem

University Rank 5

VANSHIKA
D/o Mr. Suresh Kumar Dalanwas
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 5

BHATERI
D/o Mr. Karmbir Nayagaon
M.Sc Phy 3rd Sem

University Rank 6

SAPNA
D/o Mr. Mahipal Yadav Mandlana
M.A. ENG. 1st Sem

University Rank 6

SONIKA
D/o Mr. Satvir Bhagwi
B.Sc. H Phy 6th Sem

University Rank 6

SHIVANI
D/o Mr. Kuldeep Soni Mahendergarh
B.B.A. 2nd Sem

University Rank 6

KOMAL
D/o Mr. Shiv Kumar Nangal Mundi
M.Sc. Geo 4th Sem

University Rank 6

KARISHMA
D/o Mr. Ajit Singh Sihma
B.Sc. Med 5th Sem

University Rank 6

EKTA
D/o Mr. Ramesh Kumar Mundia Khera
M.Sc. Phy 3rd Sem

University Rank 7

ANJALI
D/o Mr. Ajit Singh Bassai
B.Sc. NM 6th Sem

University Rank 7

MUSKAN
D/o Mr. Narender Dhawana
M.Sc. Phy 1st Sem

University Rank 7

SONAM
D/o Mr. Ramesh Kumar Khairana
B.Sc H Che 6th Sem

University Rank 7

SONIYA
D/o Mr. Satyanarayan Majra Khurd
M.Sc. Che 4th Sem

University Rank 7

NEHA
D/o Mr. Chetan Prakash Mahendergarh
B.Sc H Phy 3rd Sem

University Rank 7

BHAWANA
D/o Mr. Chhavi Prakash Nimbi
B.B.A 2nd Sem

University Rank 7

RIYA
D/o Mr. Narendra Kumar Sheoramnathpura
B.C.A. 5th Sem

University Rank 7

GAGAN
D/o Mr. Anoop Kumar Bhurjat
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 7

KARUNA
D/o Mr. Anand Jhagroli
M.Sc. Phy 3rd Sem

University Rank 7

MONIKA
D/o Mr. Jagram Kherki
M.A. ENG 3rd Sem

University Rank 7

HIMESH
S/o Mr. Virender Luhana
B.Sc. Physical Science 1st Sem

University Rank 8

SONAL YADAV
D/o Mr. Anil Kumar Gadania
B.Sc H Phy 6th Sem

University Rank 8

NARVEER
S/o Mr. Jai Parkash Bawana
M.A. ENG 2nd Sem

University Rank 8

SAKSHI
D/o Mr. Shri Bhagwan Bucholi
B.Sc. Med 6th Sem

University Rank 8

ANJU
D/o Mr. Dinesh Dhana
B.Com 6th Sem

University Rank 8

NIKITA
D/o Mr. Nathu Ram Bharaf
B.A .6th Sem

University Rank 8

SONAM
D/o Mr. Mahesh Jhagroli
B.Sc. Med 4th Sem

University Rank 8

ANURADHA
D/o Mr. Narender Bhojawas
M.Sc Che 3rd Sem

University Rank 8

DEEPIKA
D/o Mr. Sanjay Kumar Mudain
B.Sc. Med 5th Sem

University Rank 8

MANISHA
D/o Mr. Krishan Kumar Bihali
B.Sc H Phy 3rd Sem

University Rank 8

MONIKA
D/o Mr. Bijender Sharma Bassai
M.Sc. Phy 3rd Sem

University Rank 9

REENA
D/o Mr. Amit Kumar Dahina
B.A. 4th Sem

University Rank 9

NIKITA
D/o Mr. Lalit Narain Jasawas
B.Sc. Medical 5th Sem

University Rank 10

VIDHI YADAV
D/o Mr. Sanjay Kumar Dhawana
B.Com 1st Sem

University Rank 10

SUBODH
D/o Mr. Chand Singh Kanina
M.A. ENG 1st Sem

University Rank 10

SHIWANI
D/o Mr. Randhir Singh Adalpur
M.Sc Maths 4th Sem

University Rank 10

MANISHA
D/o Mr. Sanjay Kumar Siha
B.C.A. 3rd Sem

I.G. University **Gold** Medalist B.A.

EKTA
D/o Mr. Mehar Chand, Khatiwas

I.G. University **Gold** Medalist B.Sc Non Medical

NEHA
D/o Mr. Hawa Singh, Bairawas

I.G. University **Gold** Medalist M.Sc Physics

SAPNA
D/o Mr. Ajay Singh, Partal

Admission Open
Apply Now !!

Courses Offered : -

M.Sc. PHYSICS, CHEMISTRY, MATHEMATICS, GEOGRAPHY
M.A. ENGLISH
B.A.
B.Sc. LIFE SCIENCE (Medical), PHYSICAL SCIENCE (Non Medical)
B.Sc. HONOURS PHYSICS, CHEMISTRY, MATHEMATICS
B.B.A. **B.C.A.** **B.Com.** **B.Ed.**

Call | 9991530053, 8607555793

Online Form
Filling Facility is available at College Campus
Sunday Open

Special Scholarship for MERITORIOUS STUDENTS

Transport
Facility Available up to 60 Kms radius of Campus

A.C. Hostel
Facility Available for Girls

प्रकाशमय कल के लिए

खबर संक्षेप

महेंद्रगढ़। मूर्ति स्थापित करते ग्रामीण।

बाबा मोतीनाथ मंदिर में हवन के साथ मूर्ति स्थापना

महेंद्रगढ़। गांव बचीनी के बाबा मोतीनाथ मंदिर में ग्रामीणों के सहयोग से हवन करने के साथ ही बाबा हनुमान, दुर्गा माता, बाबा भैरव व शनि देव की मूर्ति की स्थापना की गई। बाबा मोतीनाथ सेवा समिति बचीनी सदस्य जयप्रकाश ने बताया कि सुबह स्वा नौ बजे मंदिर में हवन करने के साथ ही मूर्ति स्थापना की गई, जिसमें आचार्य शिवम, सोनू शर्मा, कर्मवीर शर्मा, योगेंद्र शर्मा, नरेश शर्मा ने विधि-विधान से पूजा अर्चना करके मूर्ति स्थापना करवाई।

मंडलाना-धरसूं रोड पर मिला अज्ञात शव

नारनौल। मंडलाना-धरसूं रोड को क्रॉस कर रहे बाइपास फ्लाईओवर के नीचे दोपहर करीब ढाई बजे 50-52 वर्ष का अधेड़ व्यक्ति मृतावस्था में मिला है। सदर पुलिस ने आसपास के गांवों में उसकी फोटो खींचकर पहचान का प्रयास किया, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे फ्लाईओवर के नीचे एक व्यक्ति मृतावस्था में देख लोगों ने पुलिस को फोन किया। करीब 52 वर्षीय व्यक्ति ने सफेद-कुर्ता पायजामा पहन रखा है तथा पतला शरीर है। बाल लगभग सफेद हैं और खड़े हुए हैं। मृतक की जब से माचिस एवं 20 रुपये मिले हैं। पैरों में चप्पल पहनी रखी हैं तथा एक चप्पल टूटी हुई है।

कटकई में बाबा भैया का विशाल भंडारा 10 को

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव में कटकई में बाबा भैया का विशाल भंडारा 10 जून को आयोजित किया जा रहा है। जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि बाबा भैया के मंदिर में भजन कीर्तन नौ जून रात्रि सवा आठ बजे होंगे, जबकि भंडारा 10 जून को हवन यज्ञ के साथ किया जाएगा। इस भंडारे में दूर दराज से आकर श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे।

कनीना में आज होगी श्रीगौड़ सभा की बैठक

कनीना। श्रीगौड़ सभा कनीना की बैठक आठ जून को आयोजित की जाएगी। सभा के प्रधान डॉ. रविंद्र कौशिक ने बताया कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस मैमोरियल क्लब कनीना' में सुबह नौ बजे आयोजित इस सभा में आय-व्यय को लेखाजोखा दिया जाएगा। बीती 11 जून को कनीना में आयोजित भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। सदस्यता अभियान चलाने को लेकर रूपरेखा तैयार की जाएगी। समाज उत्थान के लिए टीम का गठन किया जाएगा।

बेवल में मोहनदास की स्मृति में लगाया भंडारा

नारनौल। सिद्ध संत बाबा मोहनदास की स्मृति में बेवल गांव में भंडारा आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं ने बाबा मोहनदास मंदिर में पूजा अर्चना कर आशीर्वाद तथा प्रसाद लिया। प्रातः हवन यज्ञ कर भंडारा का शुभारंभ किया गया। समाजसेवी अतरलाल ने बाबा मोहनदास मंदिर में धोक लगाई तथा आशीर्वाद लिया। समिति सदस्यों ने अतरलाल का माला तथा साफा पहनाकर स्वागत किया। सुभाष, प्रमोद, रामौतार, सुगनाराम ने कहा जो सच्चे मन से बाबा के दरबार में आता है उसकी मनोकामना पूरी होती है। मौके पर अश्वनी, सुभाष यादव, राजेश, सुनिल, प्रमोद, अमित, रामौतार, सुगनाराम, देवेन्द्र, सतबीर, संदीप, रवि आदि कमेटी सदस्यों ने भंडारा में उल्लेखनीय योगदान दिया।

मॉडल संस्कृति स्कूल में लगाया योग शिविर

मंडी अटेली। स्वास्थ्य विभाग की एनसीडी टीम ने डॉ. मनीष के नेतृत्व में मॉडल संस्कृति स्कूल अटेली के खेल मैदान में योग शिविर लगाया। शिविर में हाइपरटेंशन और शुगर पर जागरूकता संदेश दिया। दीप प्रज्वलन अभय सिंह सैदपुर, वेद गोयल व किशनलाल सैनी ने किया। 50 से अधिक लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास किया।

पहले भी खटारा बसें चढ़ चुकी आग की भेंट, अब चलती बस की वायरिंग में लगी आग

सवारियों से भरी हरियाणा रोडवेज में लगी आग, मेंटेनेंस के अभाव में खतरे में पड़ रही यात्रियों की जान

■ पास के प्राइवेट अस्पताल से अग्निशमक यंत्र लेकर आग पर काबू पाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। सरकारी बस के पास फंसी कंपनी बस व खड़े कर्मचारी,आग बुझाने के बाद खड़ी रोडवेज बस व अपनी बस निकलने का इंतजार करते कर्मचारी, हरियाणा रोडवेज की बस में लगी आग से निकलता धुआं। फोटो :हरिभूमि

सुरक्षित सफर की उम्मीद के साथ रोडवेज बसों में यात्रा करने वाले यात्रियों की जान खतरे में नजर आ रही है। समय पर मेटेंनेंस न होने पर अनफिट बसें सड़कों पर दौड़ रही है, परंतु परिवहन विभाग की ओर से यात्रियों की सुरक्षा को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे है। रोडवेज डिपो से जहां लंबे रूटों पर दौड़ रही लीज की बसें यात्रियों के लिए परेशानी बनी हुई है वहीं अब हरियाण रोडवेज भी मेटेंनेंस के अभाव में यात्रियों के लिए खतरा पैदा कर रही है। शनिवार को बावल क्षेत्र के गांव खंडोड़ा के लिए जा रही हरियाणा रोडवेज बस में आग लग गई। बस में आग लगते ही ड्राइवर व कंडेक्टर ने यात्रियों को तुरंत बाहर निकाला और पास के प्राइवेट अस्पताल से अग्निशमक यंत्र लेकर आग पर काबू पाया। आग लगने के बाद बावल रोड का एक तरफा मार्ग पूरी तरह अवरूद्ध हो गया, जिससे शाम तक यातायात भी बाधित रहा।

बस स्टैंड से आधा किलो.दूरी पर लगी आग

शहर के बावल रोड पर शनिवार को हरियाणा रोडवेज की एक बस में आग लग गई। चालक-परिचालक की सूझबूझ से यात्रियों को बस से सुरक्षित निकाल लिया गया, जिस कारण बड़ा हादसा होने से टल गया। बस में लगभग 40 यात्री सवार थे, जो रेवाड़ी से खंडोड़ा जा रहे थे। दोपहर 2 बजे एक बस सामान्य बस स्टैंड से खंडोड़ा के लिए रवाना हुई थी। इस बस में सभी सीटों पर यात्री सवार थे।

रोडवेज जब बस स्टैंड से महज आधा किलोमीटर दूर बावल रोड पर पहुंची तो इसकी वायरिंग में आग लग गई और अगले हिस्से से धुआं निकलना शुरू हो गया। चालक ने बस का सड़क पर ही रोक दिया तथा परिचालक ने सभी यात्रियों को बस से नीचे उतार दिया। उसी समय फायर बिग्रेड व अधिकारियों को सूचना दी गई, लेकिन फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही पास के प्राइवेट अस्पताल से अग्निशमन यंत्र लेकर आग पर काबू पा लिया गया, अगर आग चलती बस में धधक जाती, तो इससे बड़ा हादसा हो सकता था।

कई बार रास्ते में ब्रेकडाउन हो चुकी बसें

रोडवेज कर्मचारियों के अनुसार बसें कई बार ब्रेकडाउन हो चुकी है। इसके बावजूद इसकी समय पर मेंटिनेंस नहीं कराई गई, जिस कारण बस आगजनी का शिकार हो गई। गनीमत यह रही कि परिचालक ने धुआं उठना शुरू होते ही यात्रियों को बस से नीचे उतार दिया। रोडवेज में आग लगने से जल्दी निकलने के चक्कर में एक कंपनी की बस भी उसके साइड में फंस गई, जिससे मार्ग पूरी तरह अवरूद्ध हो गया। कंपनी की बस फंसने से कर्मचारियों को भी काफी परेशानी उठानी पड़ी। कर्मचारी समय पर ड्यूटी पर नहीं पहुंच पाए।

एक वर्ष में बसों से हो चुके कई हादसे

पिछले एक वर्ष में सरकारी बसें आग लगने व अन्य खामियों के कारण खराब होकर यात्रियों को धोखा दे चुकी है। गत वर्ष नवंबर में लीज की एक बस जयपुर के लिए रवाना होने के कुछ देर बाद ही जयसिंहपुर खेड़ा के पास खराब हो गई। बस से धुआं उठता हुआ दिखाई तो बस चालक और परिचालक ने यात्रियों को बस से उतार दिया। चंद मिनटों के बाद ही बस में आग लग गई। अगर समय रहते बस से यात्रियों को नहीं उतारा गया होता, तो इससे बड़ा हादसा हो सकता था। इसके बाद नवंबर में ही लीज की एक बस चंडीगढ़ के लिए रवाना हुई थी। जब यह बस रोहतक के डीघल के पास पहुंची तो बस के गियर ने काम करना बंद कर दिया। बस के ब्रेक भी सही ढंग से काम नहीं कर रहे थे। चालक ने बस को नियंत्रित करते हुए साइड में रोक कर यात्रियों की जान बचाई। इस तरह मेटेंनेंस के अभाव में सरकारी बसें बार बार रास्ते में धोखा दे रही है, परंतु अधिकारियों की ओर से इस मामले में सख्त एक्शन नहीं लिया जा रहा है। अधिकांश बसों के टायर तक बुरी तरह घिसे हुए हैं। बसों में इंडिकेटर से लेकर हेडलाइट तक सही हालात में नहीं हैं और पायदान तक जर्जर हालत में है।

कोसली से चंडीगढ़ के लिए एसी बस सेवा शुरू, रोजाना सुबह 9:10 पर होगी रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

रेवाड़ी। कोसली से चंडीगढ़ एसी बस सेवा का शुभारंभ करते विधायक।

कोसली के विधायक अनिल यादव ने शनिवार को कोसली से चंडीगढ़ एसी बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि कोसली के लोगों की चंडीगढ़ के लिए बस चलाने की लंबे समय से मांग थी, जिसे आज पूरा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कोसली हलके के लोगों को उत्तम परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे है। जल्दी ही बस स्टैंड पर यात्रियों को बेहतर जन सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने रोडवेज जीएम प्रदीप अहलावत को कोसली बस स्टैंड पर एक टीन शेड तथा नया वाटर कूलर लगवाने के निर्देश दिए। बस स्टैंड पर बसों की समय सारिणी लगवाई जाए। रोडवेज जीएम अहलावत ने बताया कि एसी बस कोसली से छुछकवास, बेरी, रोहतक, पानीपत व करनाल होते हुए चंडीगढ़ जाएगी। कोसली से यह बस सुबह 9:10 पर रवाना होगी और चंडीगढ़ से इसके वासपी का समय सुबह 6:30 बजे का रहेगा। इस अवसर पर चेयरमैन दुष्यंत सिंह, जिला पार्षद शारदा, जीवन हितैषी, मंडल अध्यक्ष गोपी, अनूप व जिला सचिव सरदार सिंह बहाला सहित गांवों के पंचायत प्रतिनिधि मौजूद थे। कोसली से चंडीगढ़ के लिए एसी बस चलाने के लिए भाकली गांव के सरपंच श्याम यादव ने विधायक अनिल यादव का आभार जताया है।

पार्ट टाइम जॉब के नाम दो बार भेजे पैसे, लालच में फंसने के बाद गंवाए 10.83 लाख रुपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। पुलिस लाइन स्थित साउथ रेंज साइबर थाना। फोटो :हरिभूमि

साइबर ठगों से बचने के लिए पुलिस विभाग की ओर से लगातार जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को वर्क फ्रॉम होम व पार्ट टाइम जॉब का ऑफर देने वाले लोगों से सतर्क रहने का संदेश दिया जा रहा है। इसके बावजूद तुरंत मोटा पैसा कमाने के लालच में लोग ठगी का शिकार हो रहे हैं। पीथनवास के एक व्यक्ति को पार्ट टाइम जॉब के नाम पर दो बार पैसे भेजने के बाद साइबर ठगों ने लगभग 10.83 लाख रुपये की ठगी का शिकार बना दिया। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में हेमंत ने बताया कि उसके मोबाइल फोन पर एक व्हाट्सएप मैसेज आया था, जिसमें पार्ट टाइम जॉब का ऑफर दिया गया था। उसे टेलीग्राम पर जोड़कर एक साइट पर टास्क पूरा करने को कहा गया। 25 टास्क पूरे करने के बाद उसके खाते में 2500 रुपये आ गए। इसके बाद उसे एक नंबर देकर खाते की डिटेल लेने के लिए संपर्क करने को कहा। उसे बताया गया कि वह बताए गए खाता नंबरों पर 11 हजार रुपये ट्रांसफर करे। उसने यह राशि भी ट्रांसफर कर दी। इसके बदले उसे 15 हजार रुपये भेजे गए। इससे वह साइबर ठगों पर विश्वास कर बैठा। बाद में उसने कई ट्रांजेक्शन के जरिए 10,82,833 रुपये ट्रांसफर कर दिए। जब यह राशि वापस निकालने का प्रयास किया, तो उसे कोई पैसा वापस नहीं मिला। जब उसे यह रकम वापस निकालने के लिए और पैसों की मांग की गई, तो उसे ठगी का अहसास हुआ। साइबर थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद उन खातों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए, जिनमें उसकी रकम जमा हुई है।

सावधानी से ही बचाव संभव

साइबर थाना प्रभारी फूलसिंह ने बताया कि लोगों को लगातार इस बात के लिए सतर्क किया जाता है कि वह पैसा कमाने के लालच में ठगों के झांसे में नहीं आएं। इसके बावजूद लोग साइबर ठगों के झांसे में आ जाते हैं। लोगों को पार्ट टाइम जॉब व वर्क फ्रॉम होम से पैसा कमाने के लालच में आने से बचना चाहिए। सावधानी बरतने से ही साइबर ठगी से बचाव संभव है।

योग दिवस की तैयारियों को लेकर करवाया अभ्यास

■ शिक्षण संस्थाओं में सिखाए गए योग के गुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। एक शिक्षण संस्थान में योगाभ्यास कराते हुए प्रशिक्षक। फोटो :हरिभूमि

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के लिए जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. बसंत कुमार की अध्यक्षता में योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थान इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर, अहीर कॉलेज, केएलपी कॉलेज, राजकीय महिला कॉलेज सेक्टर-18, श्रीकृष्णा गवर्नमेंट कॉलेज कंवाली, राजकीय महाविद्यालय बावल व राव अभय सिंह कॉलेज सहारनवास में योगाभ्यास सत्र आयोजित किए गए।आयुष विभाग के योग सहायकों ने उक्त संस्थानों में उपस्थित स्टाफ और छात्रों को योगासन के विभिन्न प्रकार और उनके फायदों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने योगाभ्यास के दौरान अनुशासन और तत्परता का विशेष ध्यान रखा। जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. बसंत कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को योग के महत्व और इसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक करना है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित इस श्रृंखला के माध्यम से जिले में योग को बढ़ावा देने और इसके प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन में भी सहायक है।

उन्होंने सभी से नियमित योगाभ्यास करने का आग्रह किया। इस अवसर पर विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्राध्यापक, स्टाफ और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में योगाभ्यास में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

यात्रियों के लिए वाया रेवाड़ी मदार रोहतक ट्रेन का संचालन आज से

■ रेलसेवा में 10 साधारण व 2 गार्ड डिब्बों सहित कुल 12 डिब्बे होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए 8 जून से मदार-रोहतक-मदार स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 09639 मदार-रोहतक स्पेशल रेलसेवा 8 जून से 30 जून तक मदार से प्रतिदिन सुबह 4:30 बजे रवाना होकर दोपहर 12:50 बजे रोहतक पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09640 रोहतक-मदार स्पेशल रेलसेवा 8 जून से 30 जून तक रोहतक से प्रतिदिन दोपहर 1:20 बजे रवाना होकर रात 10:35 बजे मदार पहुंचेगी। इस रेलसेवा में 10 साधारण व 2 गार्ड डिब्बों सहित कुल 12 डिब्बे होंगे। यह रेलवेवा किशनगढ़, नरेना, फुलेरा, रेनवाल, बघाल, रींगस, श्रीमाधोपुर, कांवट, भगेगा, नीम का थाना, मांवडा, डाबला, निजामपुर, नारनौल, अबेली, कुंड, रेवाड़ी, गोकलगढ़, झज्जर व अबोहर स्टेशनों पर भी ठहराव करेगी। गाड़ी संख्या 09639 मदार-रोहतक स्पेशल रेलसेवा का रेवाड़ी स्टेशन पर आगमन सुबह 10:40 व प्रस्थान 10:50 करेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09640 रोहतक-मदार स्पेशल रेलसेवा का रेवाड़ी में आगमन दोपहर बाद 3:20 बजे तथा प्रस्थान 3:30 बजे होगा।

एक सप्ताह तक मौसम साफ रहने की संभावना, अब करना पड़ सकता है भारी गर्मी का सामना

नौतपा बीतने के बाद तल्ख हुए मौसम के तेवर

■ एक पखवाड़े के बाद तापमान 40 डिग्री पार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। एक खेत में कपास की फसल पर छाई हरियाली। फोटो :हरिभूमि

गत 2 जून को नौतपा खत्म होने तक मौसम अपेक्षाकृत ठंडा बना रहा। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते बारिश और बूंदाबांदी ने नौतपा में पड़ने वाली गर्मी का अहसास तक नहीं होने दिया। मौसम साफ होने के बाद अब तापमान में तेजी से वृद्धि होना शुरू हो गया है। एक पखवाड़े के बाद तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा है, जिससे गर्मी अपने रंग में आनी शुरू हो गई है।

अभी बरसात की जल्द संभावना नहीं है, जिससे जून का दूसरे सप्ताह में लोगों को भारी गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। मई माह का पहला पखवाड़ा काफी गर्म रहा था, परंतु अंतिम सप्ताह में मौसम में बदलाव से तापमान गिरना शुरू हो गया था। 23 मई को तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इसके बाद तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की गई। गत 3 मई को नौतपा खत्म होने पर तापमान 30.5 डिग्री पर आ गया था, जो सामान्य से दस डिग्री तक कम था। दो दिन से आसमान में छाए बादल साफ हो गए हैं। हवा में नमी का स्तर भी कम होकर 46 फीसदी तक आ गया है। शनिवार को दिन भर आसमान साफ रहने के कारण तेज धूप ने लोगों को एक बार फिर से गर्मी का अहसास कराना शुरू कर दिया। अधिकतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 40.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। न्यूनतम तापमान में भी 2.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई। यह 21.5 डिग्री पर आ गया। तापमान बढ़ने के साथ ही एक बार फिर से गर्मी ने पसीने छुड़ाने शुरू कर दिए हैं। हालांकि अभी गर्म हवाओं का असर ज्यादा नहीं है, लेकिन आने वाले दिनों में लू का प्रकोप देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार लगभग एक सप्ताह तक आसमान साफ रह सकता है।

इससे तापमान में वृद्धि दर्ज की जाएगी। आने वाले सप्ताह में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इस दौरान बरसात की कोई संभावना नहीं है।

खेतों में सूखे की जगह हरियाली

जून माह में भारी गर्मी पड़ने के कारण खेत सूखे नजर आते हैं। खेतों की घास तक भारी गर्मी के कारण सूख जाती है। इस बार बूंदाबांदी और बारिश ने खेतों को हरा-भरा बनाया हुआ है। किसानों ने जून के शुरू में ही बारिश होने के बाद बाजरे की बिजाई कर दी थी। बाजरा अंकुरित हो गया है। अभी भी किसान बिजाई कर रहे हैं। अब अगर ज्यादा गर्मी पड़ती है, तो वह बाजरे की फसल के लिए संकट पैदा कर देगी। फसल बचाने के लिए किसानों को सिंचाई का सहारा लेना पड़ेगा। दूसरी ओर गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली की खपत भी बढ़नी शुरू हो गई है। लगभग 10 लाख यूनिट बिजली की खपत बढ़ी है। गर्मी इसी तरह बढ़ती रही, तो खपत भी तेजी से बढ़ेगी। इससे जल्द ही पावर कटों का सिलसिला भी शुरू हो जाएगा।

आईजीयू में बीएससी ऑनर्स के कोर्सों में आवेदन कल तक

रेवाड़ी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 में रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान एवं गणित विषय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप बीएससी ऑनर्स के पाठ्यक्रम आरंभ किए गए हैं। साइंस में प्रवेश के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 9 जून तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट आईजीयू.एसी.इन पर बीएससी ऑनर्स के विषय से प्रोग्राम का चयन कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सभी विषयों में 60 सीटें उपलब्ध है। आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन के पश्चात भरे गए आवेदन की हार्ड कॉपी सभी आवश्यक दस्तावेज 16 जून तक संबंधित विभाग में जमा कराने अनिवार्य है। प्रथम मेरिट सूची 17 जून को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी एवं प्रथम काउंसलिंग 19 जून को होगी। द्वितीय काउंसलिंग 23 जून एवं तीसरी काउंसलिंग 27 जून 2025 को होगी।

खबर संक्षेप

सोहना रोड पर छबील लगाकर प्यास बुझाई

धारूहेड़ा। शनिवार को भीषण गर्मी में दुकानदारों ने धारूहेड़ा के सोहना रोड पर छबील लगाकर राहगीरों को मीठा पानी पिलाकर राहती दी। समाजसेवी डा. सतबीर सिंह सैनी, दीपक सैनी, चंचल सैनी, सुनील, प्रदीप, अमित व रोहतास सैनी ने लोगों को ठंडा शरबत पिलाकर प्यास बुझाई। धर्म-कर्म के कार्य में दुकानदारों के साथ युवाओं ने सहयोग किया।

पंचायत भवन में कवि सम्मलेन 8 को

भिवानी। महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा की पुण्यतिथि के अवसर पर तथा पहलगाम आतंकवादी घटना का सिंदूर ऑपरेशन के माध्यम से बदला लेने वाली भारतीय सेना के सम्मान में जिला प्रशासन के तत्वावधान में साहित्यकार मित्र मंडली भिवानी द्वारा स्थानीय पंचायत भवन में 8 जून रविवार को शाम पांच बजे सिंदूर वंदन कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सीटीएम अनिल कुमार ने बताया कि भारतीय सेना के शौर्य को समर्पित इस कवि सम्मेलन में भिवानी से विधायक घनश्याम सर्राफ मुख्य अतिथि होंगे

जरूरतमंद कन्या की शादी में भेंट की सिलाई मशीन

भिवानी। गांव हालवास मजरा देवसर में जरूरतमंद कन्या खुशबु पुत्री स्व. धर्मबीर की शादी में राष्ट्रीय वीर एकल्यव कल्याण वाहिनी सामाजिक संस्था के पदाधिकारियों द्वारा एडवोकेट अखिल कुमार कि अध्यक्षता में सिलाई मशीन व कन्यादान के रूप में सहायता राशि भेंट की। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. कपूर लडवाल ने बताया कि संस्था द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के सामाजिक कार्य किए जाते हैं।

कैबिनेट मंत्री किसानों को करेंगे सम्मानित

तोशाम। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री रणबीर गंगवा आठ जून रविवार को गांव मंढाण में ऑर्गेनिक हरियाली नर्सरी का उदघाटन करेंगे। उपायुक्त कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार कैबिनेट मंत्री गंगवा रविवार को दोपहर 12 बजे कार्यक्रम में पहुंचेंगे। इस मौके पर बागवानी क्षेत्र में अग्रणी किसानों को भी सम्मानित करेंगे।

ई-केवाईसी के लिए एप्लीकेशन जारी

भिवानी। डीसी महावीर कौशिक ने बताया कि खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग उपभोक्ता मामले व खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा राशनकार्डों में शत-प्रतिशत ई-केवाईसी के लिए मेरा ई-केवाईसी मोबाईल एप्लीकेशन जारी किया गया है। जिसके तहत सभी राशनकार्ड धारक अपना व अन्य सदस्यों की ई-केवाईसी मोबाईल एप्लीकेशन के माध्यम से कर सकते हैं। मोबाईल एप्लीकेशन गूगल प्ले स्टोर व गूगल लिंक पर जाकर भी डाउनलोड कर सकते हैं।

राज्यभिषेक दिवस समारोह मनाया

भिवानी। अटक से कटक तक पूरे भारत में हिंद स्वराज्य संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्यभिषेक दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। इसी कड़ी में गांव देवसर में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। यह जानकारी देते हुए धनुषधारी धाणक वीर मराठा संगठन के प्रदेश महासचिव मराठा विनोद सिहाणे ने बताया कि गांव देवसर में आयोजित राज्यभिषेक समारोह में बतौर मुख्य व्यक्ता धनुषधारी (धाणक) मराठा इतिहासकार चौ. सुरेंद्र सिंह भोंसले ने शिरकत की तथा समाज को इतिहास की से अवगत करवाया। इस मौके पर निगम पार्षद नरेश मुंदडिया और दिल्ली पुलिस से इंस्पेक्टर रोहताश नंदा पहुंचे।

अवैध शराब, हथियार, जुआ व सट्टा और नशा तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान

पुलिस ने अपराधियों पर कसा शिकंजा, अवैध कारोबारों में संलिप्त 418 आरोपी गिरफ्तार

लाखों रुपये कीमत के चोरी किए गए 27 वाहन किए बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस ने गत मई माह में चलाए गए स्पेशल अभियान के तहत अवैध कारोबारों में संलिप्त 418 आरोपियों पर शिकंजा कसा है। पुलिस ने अवैध शराब बेचने वाले, सट्टा खाईवाली व जुआ खेलने वाले, अवैध हथियार रखने वाले व ड्रग्स की तस्करी करने वाले आरोपियों पर कड़ा प्रहार किया है। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने जिले सभी थाना प्रभारियों, चौकी इंचार्ज, सीआईए व पीओ स्टाफ को विभिन्न मामलों में वांछित आरोपियों की धरपकड़ के लिए अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए है। एसपी ने कहा कि जिले में किसी भी प्रकार के अवैध कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आमजन किसी भी तरह के अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के संबंध में पुलिस थाना, चौकी, पुलिस कंट्रोल रूम या डायल 112 पर सूचना दें ताकि आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा जा सकें।

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा।

पुलिस की मई माह की मुख्य उपलब्धियां

1. पुलिस ने गत मई माह में 18 उदघोषित-जमानोत्तर अपराधियों को अपराधियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है।
2. पुलिस ने अलग-अलग मामलों में 14 आरोपियों को गिरफ्तार करके 7 अवैध देशी कट्टे, 7 देसी पिस्टल व 11 कारतूस बरामद किए।
3. ड्रग्स की तस्करी करने वाले 21 आरोपियों को गिरफ्तार करके 12 मामले दर्ज किए गए तथा आरोपियों के कब्जे से 10 किलो 60 ग्राम 191 मिलीग्राम गांजा, 1.05 ग्राम एमडीएमए एवं 11.93 ग्राम स्मैक बरामद की।
4. पुलिस ने शराब के अवैध कारोबार में संलिप्त 33 आरोपियों को गिरफ्तार किया व 36 मामले दर्ज किए। आरोपियों के कब्जे से 708.75 बोतल देशी शराब, 122 बोतल अंग्रेजी शराब व 192 बोतल बियर बरामद की।
5. जुआ एवं सट्टा खाईवाली के 13 मामलों में 23 आरोपियों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से 64,190 रुपये की राशि बरामद की गई।
6. पुलिस ने 40 लाख 12 हजार रुपये से ज्यादा की कीमत की चोरी हुई 19 बाइक, 4 स्कूटी, 1 ऑटो, 2 कार व 1 ट्रक को बरामद कर वारदातों को अंजाम देने वाले 28 आरोपियों पर शिकंजा कसा।
7. पुलिस ने चोरी के मामलों में 8 आरोपियों को गिरफ्तार करके उनसे 25 हजार रुपये से ज्यादा की कीमत का चोरी के सामान बरामद किया।
8. जिला पुलिस ने मई माह में जिले में लापता हुए 64 लोगों को तलाश कर उनके परिवार से मिलाया, जिसमें 21 नाबालिक लड़के-लडकियां व 43 महिला व पुरुष शामिल हैं।

पीडब्ल्यूडी की पांच सेवाएं राइट टू सर्विस एक्ट के दायरे में : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा सरकार ने लोक निर्माण विभाग बी एंड आर की 5 सेवाओं को सेवा का अधिकार अधिनियम 2014 के दायरे में लाते हुए इनकी समय-सीमा निर्धारित की है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि मुख्य सचिव की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार लोक निर्माण विभाग की ओर से अब राज्य राजमार्ग या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अधीन अनुसूचित सड़क से प्रवेश या निकासी के लिए क्लीयरेंस, उपयोग का अधिकार के अधीन प्राकृतिक गैस या पाइप लाइन बिछाने की अनुमति और उपयोग का अधिकार के अधीन संचार अवसंरचना तथा ऑप्टिकल फाइबर केबल जैसी सम्बद्ध स्थापना बिछाने के लिए अनुमति 40 दिन के अंदर दी जाएगी। कार्यों तथा सेवाओं के लिए ठेकेदारों की सूचीबद्धता के लिए 45 दिन की समय-सीमा तय की गई है।

डीसी अभिषेक मीणा।

इन सेवाओं के लिए संबंधित अधीक्षण अभियंता को पदनामित अधिकारी नामित किया गया है, जबकि मुख्य अभियंता को प्रथम शिकायत निवारण प्राधिकारी और प्रमुख अभियंता को द्वितीय शिकायत निवारण प्राधिकारी बनाया गया है। इसके अलावा अब छोटे गड्ढों की मरम्मत 10 दिन के अंदर की जाएगी। कनिष्ठ अभियंता को पदनामित अधिकारी, जबकि उप-मंडल अभियंता को प्रथम शिकायत निवारण प्राधिकारी और कार्यकारी अभियंता को द्वितीय शिकायत निवारण प्राधिकारी बनाया गया है।

जोनावास में बाबा मुरलीनाथ का भंडारा लगाया, विधायक पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गांव जोनावास में शनिवार को निर्जला एकादशी पर बाबा मुरलीनाथ के भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर कमेटी व ग्रामवासियों की ओर से आयोजित कार्यक्रम में गायक सुरेश गोला ने टीम के साथ भजन-कीर्तन किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने बाबा के चरणों में हाजरी लगाई और प्रसाद ग्रहण किया। सरपंच प्रीतम कुमार ने विधायक का पगड़ी पहना कर स्वागत किया। इस मौके पर जिला पार्षद निरंजन लाल पटवारी, मंदिर कमेटी प्रधान राजाराम, मास्टर ओमप्रकाश, सतबीर पंच, श्रवण सिंह पंच, राकेश भाटोटीया प्रधान व कैप्टन बाबूलाल मौजूद थे।

एक-दूसरे को बधाई देकर उल्लास से मनाई बकरीद

- मस्जिदों में सुबह से रही भीड़, शांति व सुरक्षा के लिए पुलिस की रही तैनाती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले में मुस्लिम सुमदाय की ओर से शनिवार को ईद-उल-अजहा यानि बकरीद का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित मस्जिदों में शांतिपूर्ण तरीके से ईद की नमाज अता की गई। गांव खोल व गुड़ियानी की ईदगाह में सामूहिक रूप से ईद की नमाज पढ़ी गई। शहर की सबसे बड़ी मस्जिद धक्का बस्ती पीर बाबा वाली मस्जिद में ईद की नमाज अता की गई। नमाज के बाद इमाम मोहम्मद इस्माइल ने देश में अमन चैन व भाईचारे के साथ त्योहार को मनाने की ताकीद की। उन्होंने कहा कि यह त्योहार कुबार्नी का है, लेकिन हम परिवार व समाज का नुकसान पहुंचा रहे है। सभी को इस कार्य को छोड़कर हर प्रकार की बुराइयों को खत्म करने का प्रण लेना चाहिए। मुस्लिम समाज के प्रधान मुबीन खान ने भी सभी को शांति व भाईचारे का संदेश दिया। प्रधान ने कहा कि हमें समाज को एकजुट रखने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईद शरीर की शुद्धि के साथ आत्मा की शुद्धि भी करती हैं। सुबह से ही शहर की मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय के लोगों की भीड़ रही। शहर के राजीव नगर स्थित पीर बाबा वाली मस्जिद, आसिया मस्जिद पुराना सिटी थाना, जामा मस्जिद दफ्तरवाला गला गोल चक्कर, रेलवे रोड स्थित मदीना मस्जिद, गुड़यिानी ईदगाह तथा खोल गांव मस्जिद में सामूहिक रूप से नमाज अता की गई। नमाज के दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व शांति के पूरे प्रबंध किए गए। इस मौके पर मस्जिद खंजाची पप्पू खान, हाजा सलामुद्दान चौहान, मिनहाज, डा. इस्माईल, एडवोकेट सलीम खान, मास्टर नूर मोहम्मद, हाफीज सुबहान, वकील खान, मलखान, दीन मोहम्मद, पम्मी, परवेज, अर्शं, सलामत, प्रशांत खान, दीपक खान, सुल्तान खान व फराज खान उपस्थित रहे।

रेवाड़ी। धक्का बस्ती मस्जिद में ईद-उल-अजहा पर नमाज अता करते मुस्लिम समुदाय के लोग। व ईद-उल-अजहा एक-दूसरे को बधाई देते हुए।

गांव नाहड़ में विशेषज्ञों ने किसानों को कृषि योजनाओं और अनुदान की जानकारी दी

- उत्तम कृषि यंत्र, किसान पहचान पत्र बनवाने, स्वास्थ्य जागरूकता और मोटा अनाज के उपयोग के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

गांव नाहड़ में कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत किसानों को कृषि विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. प्रमोद यादव, खंड कृषि अधिकारी नवीन कुमार, रविन्द्र जाखड़, पशुपालन एवं डेयरी विभाग से डा. नीलम कुमारी, डॉ. नवीन कुमार, बागवानी विभाग से नरेश यादव व मिट्टी पानी जांच विभाग के अधिकारी डॉ. सतीश कुमार ने किसानों के हित में चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं और उन पर दिए जाने वाले अनुदान की जानकारी दी। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकार की ओर से प्रदान की जा रही सुविधाओं में कृषि, पशु, मिट्टी पानी जांच व बागवानी से संबंधित उत्पादित उत्तम बीज, कीटनाशक दवा, मिट्टी पानी जांच, पशुपालन, उत्तम कृषि यंत्र, किसान पहचान पत्र बनवाने, स्वास्थ्य जागरूकता और मोटा अनाज के उपयोग की जानकरी दी।

इस अवसर पर सरपंच महेंद्र सिंह यादव, हेमचंद्र यादव, कृष्णचंद्र गनवाल, महावीर, प्रेमप्रकाश नाहड़, एडवोकेट गुरदयाल सिंह, पंच अमित कुमार, पंच इन्द्रजीत सिंह, पंच नरेश कुमार, सुभाष पंच, उदयभान थानेदार, महावीर सिंह, राजेन्द्र सिंह, बलराज, अनिल शर्मा, कपिस यादव, प्रवक्ता प्रमोद यादव व सुरेन्द्र सिंह सहित अनेक किसान उपस्थित थे। सरपंच महेंद्र सिंह यादव ने सभी कृषि अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

रेवाड़ी। किसानों को कृषि संबंधी जानकारी देते कृषि अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

धार्मिक आयोजनों से भाईचारा बढ़ने के साथ आस्था का प्रसार होता है : अनिल

- नठेड़ा गांव के शिव मंदिर में जागरण व भंडारे का आयोजन
- विधायक अनिल कुमार ने भंडारे में पहुंचकर दिखाई श्रद्धा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

नठेड़ा गांव के शिव मंदिर में जागरण व भंडारे का आयोजन किया गया। जागरण में लोक गायक कलाकारों ने भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पार्षद जीवन हितेषी ने की तथा मुख्य अतिथि विधायक अनिल कुमार व भाजपा के वरिष्ठ नेता वीरकुमार यादव थे। शनिवार प्रातः हवन के उपरांत भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर विधायक अनिल कुमार ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से आपसी भाईचारा बढ़ता है और धार्मिक आस्था का प्रसार होता है। भाजपा नेता वीरकुमार यादव ने कहा कि भक्ति के बिना मानव का कल्याण नहीं है। हर इंसान को धर्म कर्म के कार्यों में रुचि रखनी चाहिए। कार्यक्रम के अध्यक्ष जीवन हितेषी ने सभी अतिथियों का आभार जताया। इस मौके पर जिला पार्षद शारदा यादव, रामफल यादव, मंदिर कमेटी के सदस्यगण, मनोज सरपंच नठेडा, मनीष, प्रमोद शास्त्री व संजय राव सहित गांव के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

रेवाड़ी। भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते विधायक व अन्य। फोटो : हरिभूमि

पिता की हत्या का आरोपी बेटा प्रोडक्शन वारंट पर लिया

रेवाड़ी। संगवाड़ी में लालसिंह हत्याकांड में शामिल मृतक के एक बेटे को पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। उसके दूसरे बेटे सहित दो लोगों को पुलिस ने हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया था। लालसिंह की हत्या करने के बाद शव को नहर में डाल दिया गया था। कसोला पुलिस ने हत्या का केस दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने उसके बेटे मोहित व मोहित के दोस्त को पुलिस ने हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया था। मोहित ने पूछताछ के दौरान बताया था कि उसने अपने भाई रोहित व दोस्त के साथ मिलकर पिता को मौत के घाट उतारा था। पुलिस ने रोहित व उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया था। इससे एक दिन पूर्व ही सीआईए धारूहेड़ा ने रोहित को देशी पिस्टल व दो कारतूस के साथ गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज करने के बाद जेल भेज दिया गया था। अब पुलिस ने उसे प्रोडक्शन वारंट पर लिया है।

रोहतक के साई एनबीए में दिखाया दमखम

रुदड़ौल के उदय सिंह ने स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशीप में स्वर्ण पदक जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

रोहतक के साई एनबीए में 4 जून से 7 जून तक आयोजित चौथी जूनियर लड़के व लड़कियों की हरियाणा स्टेट बॉ1सिंग चैंपियनशिप में रुदड़ौल निवासी उदय सिंह ने स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रचा है जिस पर उनको प्रोत्साहन पुरस्कार बेस्ट बॉ1सर का अवार्ड भी प्राप्त किया। उनके लगातार बेहतरीन प्रदर्शन पर क्षेत्र के खेल प्रेमियों ने उनको बधाई दी है। कोच विनय कुमार ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मैं गोल्ड मेडल जीतने के बाद उदय सिंह का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता मे हो गया है जो साईं एनबीए रोहतक परिसर में ही 18 जून से 25 तक होगी। शहीद भगत सिंह बॉक्सिंग अकेडमी हांसी के युवा उदय सिंह ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी का मन मोह लिया। उदय सिंह ने पिछले साल एशियन सब जूनियर बॉयज बॉक्सिंग में अंतर्राष्ट्रीय स्तर स्वर्ण पदक जीतकर शहीद भगत सिंह बॉक्सिंग अकेडमी, हांसी की खुशी में जोरदार उत्साह भर दिया था। उदय सिंह के कोच विनय बिजारणिया ने बताया कि उदय बचपन से ही खेलो के लिए रुचि लेकर त्यारी करता रहा है। उदय सिंह ने शहीद भगत सिंह बॉक्सिंग अकेडमी, हांसी, परिवार और गांव का नाम रोशन किया है। दीपक ने बताया कि उदय सिंह शहीद भगत सिंह बॉ1सिंग अकेडमी हांसी में अपना अ यास करता है। संदीप ने बताया कि उदय सिंह के पिता विनय कुमार एक कोच है जो पिता व कोच की अपनी जि मेवारी बखूबी अदा कर रहे है। अजय सिहाग और सर्वेश सैनी ने कहा कि यह क्षण हमारे लिए गौरव का विषय है कि एक छोटी सी शहीद भगत सिंह बॉक्सिंग अकेडमी, हांसी के बच्चे ने गोल्ड मेडल लाकर गांव के बच्चों को एक नई दिशा दी है जो बच्चे सारा दिन मोबाइल में लगे रहते है, उनको खेल के लिए प्रेरित किया है। जानकारी के अनुसार उदय ने 44 से 46 किलो वजन में जूनियर श्रैणी में गोल्ड मेडल जीता है। उदय सिंह की जीत उनके परिवार विशेषकर उनके दादा स्वर्गीय कमपाल सिंह और स्वर्गीय बलवान सिंह सिहाग के सपने उदय इंडिया को आज पूरा करने की और अपने कदम बड़ा रहा है।

बाढड़ा। हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल विजेता उदय सिंह रुदड़ौल। फोटो : हरिभूमि

राशन वितरण योजना में हरियाणा देश में अग्रणी स्थान पर

रेवाड़ी। केंद सरकार की 'एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड' योजना के अंतर्गत हरियाणा प्रदेश में पिछले करीब पांच सालों में अन्य राज्यों के 22,93,961 लाभार्थी अपने हक में राशन सामग्री प्राप्त कर चुके हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर ने बताया कि वन नेशन-वन राशन कार्ड योजना के अंतर्गत लेन-देन की संख्या में हरियाणा हमेशा पहले अथवा दूसरे स्थान पर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में योजना अंतर्गत राशन का लेन-देन हर महीने बढ़ रहा है। राज्य मंत्री ने बताया कि इसी उद्देश्य से, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के कॉल सेंटर में एक टोल फ्री नंबर 14445 और 1800-180-2405 उपलब्ध है। इस नंबर पर कॉल करके राज्य के बाहर का कोई भी लाभार्थी वन नेशन-वन राशन कार्ड के तहत पूछताछ कर सकता है।

कार्यालय उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट नारायणपुर जिला कोटपूतली-बहरोड़
क्रमाकः 40-43 दिनांकः- 19/5/25
(नोटिस व स्ते जाहिर करने वजह)
(देखे आदेश-05, नियम-20 जाप्ता दीवानी-1908)
मल्ली बनाम मिश्रो बगैरा
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 53,188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955
नाम वादीनीः-
1. मल्ली देवी पत्नि प्रताप सिंह जाति गुर्जर निवासी पातूहेडा तह० बावल जिला रेवाड़ी हरियाणा।
बनाम
नाम असल प्रतिवादीः-
4. अतरसिंह पुत्र जयसिंह उम्र बालिग जाति गुर्जर
5. प्रितम सिंह पुत्र जयसिंह उम्र बालिग जाति गुर्जर
6. अनिता पुत्री जयसिंह उम्र बालिग जाति गुर्जर
7. पूनम पुत्री जयसिंह बालिग जाति गुर्जर
सभी निवासी पातूहेडा तह० बावल जिला रेवाडी हरियाणा।
हरगाह कि प्रार्थी ने आपके खिलाफ एक दावा अन्तर्गत धारा 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम न्यायालय हाजा में दायर किया हुआ है जिसके बाबत आपको न्यायालय द्वारा जवाबदेही के लिये कई बार जरिये अदालत नोटिस भेजे गये। मगर आप तामिल करने से गुरेज करते रहे। इसलिये आपको जरिये इस्तहार सूचित किया जाता है कि आप उक्त दावे की जवाबदेही के लिए दिनांक 09.06.25 को या इससे पूर्व किसी भी न्यायालय दिवस में दिन के 10 बजे न्यायालय पर असालतन या मार्फत ऐसे अधिवक्ता के जो मुकदमें से वाकिफ किया गया हो जो दावे का जवाब दे सकें जिसके साथ ऐसा शख्स हो तो ऐसे सवालात का जवाब दे सके हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है। आपको हिदायत दी जाती है कि जुगला दस्तावेजात अपनी जवाबदेही की ताईद में इस्तदलाल पेश करना चाहते हो, पेश करे। अगर बरोज मजकूर आप हाजिर नहीं हुये तो आपकी गैरहाजिरी शुमार कर शामिल मिसल दस्तावेजात जांच बाबत फैसला कर दिया जावेगा।
बशब्द मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से आज दिनांक 19.05.2025 को जारी किया गया
हस्ता/- उपखण्ड अधिकारी सहायक कलैक्टर नारायणपुर, कोटपूतली-बहरोड़

खबर संक्षेप

कार की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत

कोसली। दड़ौली-कृष्ण नगर रोड पर शुक्रवार रात हुई सड़क दुर्घटना में नेहरूगढ गांव के दो दोस्तों की मौत हो गई। मृतक अमित के भाई कर्मवीर ने कोसली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका भाई 20 वर्षीय अमित व उसका दोस्त 21 वर्षीय देवराज शुक्रवार रात करीब 8 बजे मोटरसाइकिल पर दड़ौली से कृष्ण नगर होते हुए अपने गांव नेहरूगढ़ आ रहे थे। मोटरसाइकिल देवराज चला रहा था तथा वे भी अपनी बाइक पर पीछे आ रहे थे, तभी सामने से आ रही एक बलेनो कार ने उनके भाई की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर जा गिरे तथा गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों के एकत्रित होने पर चालक कार को भगा ले गया। दोनों घायलों को पहले कोसली के एक निजी अस्पताल तथा बाद में रेवाड़ी ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

रेलवे स्टेशन से बाइक ले गए चोर

रेवाड़ी। रेलवे स्टेशन से चोर व्यक्ति की बाइक चोरी कर ले गए। मोहल्ला मिया की सराय नारनौल निवासी दयाराम ने जीआरपी को बताया कि 3 जून को उसका बेटा युवराज खाटूश्याम जी से आ रहा था। उसका पडोसी हितेश रात करीब करीब 8:20 बजे उसे लेने के लिए रेलवे स्टेशन गया था तथा अपनी मोटर साइकिल टिकट घर के पीछे गेट के सामने खड़ी की थी। जब वह वापस आया तो मोटर साइकिल गायब थी। काफी तलाश करने पर भी बाइक नहीं मिली।

गांव में घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

बावल। बावल क्षेत्र के गांव मंगलेश्वर में घर के बाहर खड़ी मोटर साइकिल चोरी हो गई। गांव निवासर प्रीतम ने बावल थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 16 मई रात को उसने अपने घर के बाहर बाइक खड़ी की थी। जब सुबह उठकर देखा तो मोटर साइकिल गायब थी। गांव में पूछताछ करने व काफी तलाश करने पर बाइक का कुछ पता नहीं चला। इसके बाद प्रीतम ने पुलिस थाने में शिकायत दी। पुलिस ने अज्ञात पर बाइक चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

मूंदी में होटल के पीछे से मोटर साइकिल चोरी

डहीना। रेवाड़ी-महेन्द्रगढ़ रोड पर गांव मूंदी से चोर मोटर साइकिल चुरा ले गए। डहीना चौकी पुलिस ने अज्ञात पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव मूंदी निवासी राजबीर सिंह ने पुलिस को बताया कि वह 5 जून को मूंदी के बाबा होटल के पीछे बाइक खडी करके अपने लड़के को लाईब्रेरी में छोड़ने के लिए गया था। कुछ समय बाद जब वह वापिस आया तो बाइक गायब थी। काफी तलाश करने पर जब मोटर साइकिल नहीं मिली तो उसने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने अज्ञात पर बाइक चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

गांव काठूवास से बाइक ले गए चोर

कसोला। कसोला थाना क्षेत्र के गांव काठूवास से चोर मोटर साइकिल चोरी कर ले गए। गांव नसवारी जिला अलवर राजस्थान निवासी विनोद ने कसोला थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 6 जून को करीब 2 बजे वह काम से गाव काठूवास आया था। जब वह वापस जाने लगा तो मोटर साइकिल चोरी हो चुकी थी। काफी तलाश करने पर भी बाइक का सुराग नहीं लग सका। पुलिस ने अज्ञात पर बाइक चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

रामगढ़ में बाबा भैया का जागरण सोमवार को

रेवाड़ी। गांव रामगढ़-भगवानपुर में बाबा भैया के जागरण व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। सरपंच सुनीता व डा. सतीश कुमार ने बताया कि 9 जून को बाबा भैया का जागरण व 10 जून को भंडारे का आयोजन किया जाएगा। गायक कलाकार जयवीर भाटी, सुरेन्द्र भाटी, नरेश नागर, संध्या चौधरी व अन्नू चौधरी अपने भजनों से बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। गांव की सरपंच ने करोना को देखते हुए ग्रामवासियों से मास्क का प्रयोग करने की अपील की है।

प्रदूषण के मानकों को लेकर सवालों के घेरे में कंपनी, मृत गायों का हुआ पोस्टमार्टम

पशुपालकों के समक्ष घुटनों पर कंपनी प्रबंधन मुआवजा देकर पिंड छुड़ाने का प्रयास

- पुलिस ने सैंपलिंग रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की बात कही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी/बावल

बणीपुर के पास कंपनी के दूषित पानी से एक दर्जन गायों सहित कई पशुओं की मौत के मामले में एक कंपनी प्रबंधन पशुपालकों के समक्ष घुटनों के बल आ गया। अनट्रीट पानी छोड़े जाने के कारण कार्रवाई से घबराए प्रबंधन ने संबंधित पशुपालकों को मुंह मांगा मुआवजा दे दिया, ताकि इस गंभीर मामले को गायों के साथ ही दफन कर दिया जाए। पुलिस प्रशासन ने इस मामले में पानी के सैंपल व पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की बात कही है, परंतु इस स्तर पर भी बड़ा खेल होने के चांस ज्यादा नजर आ रहे हैं। शुक्रवार को एक दर्जन से अधिक पशुओं की मौत केमिकलयुक्त पानी पीने से हो गई थी। इनमें एक दर्जन पालतु गायों के साथ-साथ बछड़ा और बकरी भी शामिल भी है। गायों की मौत के बाद बावल व कसोला पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। ग्रामीणों ने दूषित पानी छोड़ने से पशुओं की मौत के बाद पास की एक कंपनी प्रबंधन के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग उठाई थी। सूचना मिलने के बाद तहसीलदार श्रीनिवास, प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के अधिकारी व पशुपालन विभाग के डॉक्टरों की टीम भी मौके पर पहुंच गए थे। कई तड़पती गायों को उपचार से बचा लिया गया। जिन गायों की मौत हुई है, उनमें एक ही पशुपालक की गायों की संख्या ज्यादा बताई जा रही है। बेसहारा गायों की गिनती इसमें शामिल नहीं है। माना जा रहा है कि जिस स्थान पर पानी पीने के बाद गायों व अन्य पशुओं की मौत हुई है, वह एक ही फैक्ट्री का छोड़ा हुआ है। इसी कंपनी प्रबंधन के गायों की मौत के बाद पसीने छूट गए। ग्रामीणों का भी रोष कंपनी प्रबंधन के खिलाफ बढ़ गया। शनिवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए। प्रबंधन के साथ उनकी बातचीत हुई।

रेवाड़ी। कंपनी के बाहर पड़ी हुई मृत गाय तथा कंपनी में जमा ग्रामीणों को समझाते अधिकारी व मौजूद पुलिस। फोटो : हरिभूमि

गायों को पोस्टमार्टम के बाद दबाया

पुलिस ने 12 गायों, एक बछड़े और एक बकरी का पोस्टमार्टम करा दिया। बाद में इन्हें जमीन में दबा दिया गया। बताया जा रहा है कि जिन पशुओं के वारिस नहीं थे, उन्हें बिना पोस्टमार्टम कराए ही जमीन में दबाने की तैयारी चल रही थी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे तहसीलदार की मौजूदगी में पानी के सैंपल प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड की टीम ने लिए। इन सैंपलों को जांच के लिए भेजा गया है। प्रबंधन के घटना के बाद ही पानी भी रोक दिया, ताकि कार्रवाई से बचा जा सके।

रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई : पुलिस सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने ही गायों का पोस्टमार्टम करवाया है। ग्रामीणों के साथ कंपनी प्रबंधन की बातचीत निजी स्तर पर की गई है। पानी के सैंपल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस आगामी कार्रवाई अमल में लाएगी।
-संजय कुमार, एसएचओ बावल।

रोष को देखते हुए प्रबंधन घबराया

जानकार सूत्रों के अनुसार ग्रामीणों के रोष को देखते हुए कंपनी प्रबंधन के पसीने छूटे हुए थे। प्रबंधन की ओर से ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की। इसके बाद मारे गए पशुओं का मुंह मांगा मुआवजा दे दिया गया। मुआवजा मिलने के बाद ग्रामीणों के तेवर ठंडे पड़ गए। सूत्रों के अनुसार प्रबंधन की ओर से मामले को दबाने और कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए अपने स्तर पर 'सेटिंग' के प्रयास भी तुरंत तेज कर दिए गए, ताकि संभावित कार्रवाई से आसानी से बचा जा सके।

प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड की टूटी नींद

प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड की ओर से कंपनियों से छोड़े जा रहे दूषित पानी को लेकर पहले कोई एक्शन नहीं लिया गया। सूत्रों के अनुसार बोर्ड अधिकारियों के साथ सेटिंग के चलते अनट्रीट पानी ही छोड़ा जा रहा था, जो गई पशुओं की मौत का कारण बन गया। हादसे के बाद बोर्ड की ओर से पानी के सैंपल लेने की प्रक्रिया को पूरा किया है। सूत्रों के अनुसार गायों की मौत के मामले को दबाने को पैसे का मोटा खेल खेला गया है, ताकि जांच के नाम पर लीपापोती तक ही मामला सीमित रहे।

दोषी पाए जाने पर दर्ज होगा केस : गायों की मौत की सूचना के बाद मैं खुद मौके पर पहुंच गया था। प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों से पानी की सैंपलिंग कराई गई है। सैंपल की रिपोर्ट में अगर कंपनी प्रबंधन दोषी पाया जाता है, उसके खिलाफ हर हाल में कार्रवाई की जाएगी। **-श्रीनिवास**, तहसीलदार।

रेवाड़ी। जहरीले पानी से गायों के मरने के बाद कंपनी में पहुंचे ग्रामीण तथा बावल एसएचओ से बात करते हुए ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। सुधराना गांव में शिव महापुराण कथा में मौजूद श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

जीवन में अर्चन के साथ तप की भी आवश्यकता: रमणराम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

गांव सुधराना में बाबा भैया के वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य में शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को कथा वाचक स्वामी रमणराम महाराज ने माता पार्वती के जन्म व भगवान शिव को पाने के लिए उनके तप की कथा का वर्णन किया। स्वामी रमणराम महाराज ने कहा कि मां पार्वती भगवान शिव को वर रूप में प्राप्त करने के लिए तपस्या के लिए वन में चली गई तथा तप करने लगी। महाराज ने कहा कि तपस्या से ही सारे साधन सफल होते हैं। तप के प्रभाव से ही ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की। तप के प्रभाव से विष्णु पालन करते हैं तथा तप के प्रभाव से ही शिव संघार करते हैं, इसलिए जीवन में अर्चन के साथ तप की भी आवश्यकता है। मां पार्वती को जीवन में अनेक कठिन परीक्षाओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपने अटल संकल्प से शिव को वर के रूप में प्राप्त करने के लिए तप किया तथा भगवान शिव को प्राप्त करने में सफल हुई।

12 जुलाई को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। सीजेएम अमित वर्मा।

जिला न्यायिक परिसर में 12 जुलाई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें दोनों पक्षों की सहमति से मामलों का निपटारा करवाया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अमित वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित निपटारा कराना है। अदालत में ट्रैफिक चालान, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना अधिनियम, पारिवारिक विवाद, दीवानी एवं फौजदारी मामले, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, बिजली-पानी के बिलों तथा राजस्व के मामलों का निपटारा किया जाएगा। सीजेएम ने आमजन से 12 जुलाई को आयोजित होने वाली लोक अदालत के अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। कोर्ट में अपने लंबित प्रकरणों को आपसी सहमति से हल करा लेने में ही फायदा है, जिससे कि समय कम लगे और मामूली खर्च में ही विवाद का निपटारा हो जाए। कोई भी केस में कोर्ट में चलता है तो लोगों को उसके लिए बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं और धन व समय भी खर्च होता है।

साइबरनाइफ जैसी तकनीकों ने इलाज को सुरक्षित और सटीक बनाया: डा. गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। डा. आदित्य गुप्ता।

लोगों को लक्षणों के प्रति सजग रहने की जरूरत है और समय पर इलाज की दिशा में कदम उठाने चाहिए

प्रतिवर्ष 8 जून को विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस मनाया जाता है ताकि ब्रेन ट्यूमर के लक्षणों, इसके खतरों और इलाज के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सकें। न्यूरोसर्जरी और साइबरनाइफ अस्पताल के निदेशक डा. आदित्य गुप्ता ने बताया कि ब्रेन ट्यूमर की समय पर पहचान और तकनीकी रूप से उन्नत इलाज आज जीवन रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

डा. गुप्ता ने बताया कि बार-बार सिरदर्द, उल्टी, दौरे, नजर में बदलाव, बोलने या समझने में कठिनाई, संतुलन की समस्या या व्यवहार में बदलाव ब्रेन ट्यूमर के लक्षण है, जिनको नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने बताया कि समय रहते एमआरआई जैसे टेस्ट से ट्यूमर की पहचान हो सकती है और सही इलाज की दिशा में कदम बढ़ाए जा सकते हैं।

डा. आदित्य गुप्ता ने बताया कि आज साइबरनाइफ जैसी तकनीकों ने इलाज को सुरक्षित, दर्दरहित और अत्यंत सटीक बना दिया है। यह एक बिना चीरा और बिना भर्ती के होने वाली रेडियोसर्जरी है, जो उन मरीजों के लिए बेहद प्रभावी है, जो पारंपरिक सर्जरी के लिए उपयुक्त नहीं हैं। इस वर्ष के विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस पर डा. गुप्ता ने समाज से अपील करते हुए कहा कि लोगों को लक्षणों के प्रति सजग रहने की जरूरत है और समय पर इलाज की दिशा में कदम उठाने चाहिए।

'तू क्यूं घबराता है तेरा श्याम से नाता है, जब मालिक है सिर पे क्यों जी को जलाता है'....

- नई अनाजमंडी स्थित शिव मंदिर में निर्जला एकादशी पर श्री श्याम संकीर्तन का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

नई अनाजमंडी स्थित श्री श्याम बाबा के मंदिर में श्री श्याम श्रृंगार सेवा ग्रुप की ओर से निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर श्री श्याम प्रभु के 117वें भव्य संकीर्तन का आयोजन किया गया। एकादशी पर्व पर गांव बांस बटौडी निवासी दिनेश शर्मा ने अपने पुत्र तिहान के जन्मदिन पर श्री श्याम बाबा का मनमोहक श्रृंगार करवाया। श्री श्याम श्रृंगार सेवा ग्रुप के सदस्यों ने बाबा की ज्योत प्रज्जवलित कर संकीर्तन का शुभारंभ किया। संकीर्तन में भूना से गायक सोनू सिंगला तथा गोकलगढ़ रेवाड़ी से गायक संजय शर्मा ने अनेक मनमोहक भजनों से श्री श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया। शनिवार को द्वादशी के अवसर पर शिव मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

रेवाड़ी। निर्जला एकादशी पर सजा श्रीश्याम बाबा का दरबार तथा श्याम संकीर्तन में भजन गाते हुए गायक सोनू सिंगला।

गायकों ने अनेक भाव भरे भजन सुनाएं

शुक्रवार रात्रि निर्जला एकादशी पर आयोजित श्री श्याम संकीर्तन में सर्वप्रथम गोकलगढ़ से भजन गायक संजय शर्मा ने गणेश जी व हनुमान जी की वंदना की तथा 'आया हूं बाबा तुम्हे भजन सुनाने को, लाया हूं दो आंशू तुम्हे भेंट चढ़ाने को' सहित अनेक भजन सुनाएं। उसके बाद भूना से गायक सोनू सिंगला ने 'कीर्तन की है रात बाबा आज थानै आणों है, थानै कोल निभाणों है' व 'श्याम बाबा को श्रृंगार मन भावे, खाटूवाले को दरबार मन भावे' व 'तू क्यूं घबराता है तेरा श्याम से नाता है, जब मालिक है सिर पे क्यों जी को जलाता है' सहित अनेक भजनों से बाबा की महिमा का गुणगान किया। श्याम बाबा के संकीर्तन में चरत अग्रवाल, रवि भट्ठेवाले, विजय अग्रवाल, रितेश बंसल, राजुल, राजन, अमित गुप्ता, अनिल मखीजा, मनीष सचदेवा, राजेश अग्रवाल, अचल गुप्ता, विकास बंसल, नरेश वशिष्ठ, नवीन भारद्वाज, दीपेश भार्गव, कुशल गोयल, मयूर गोयल, मीनाक्षी, शीतल, वंदना, शालू, सपना, हीना, सोनू, आरती, अभिलाषा व कविता आदि मौजूद थे।

रेवाड़ी। बावल रोड पर राहगीरों को मीठा पानी पिलाते हुए। फोटो : हरिभूमि

युवाओं ने छबील लगाकर गर्मी में लोगों को दी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

- सामाजिक संगठनों की ओर से छबील लगाकर लोगों को गर्मी में राहत दी जा रही है
- शनिवार को युवाओं की ओर से बावल रोड पर मीठे पानी की छबील लगाकर लोगों की प्यास बुझाई गई
- पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना और छबील लगाकर लोगों की प्यास बुझाना पुण्य का कार्य

जून माह में बढ़ रही गर्मी ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया है। सामाजिक संगठनों की ओर से छबील लगाकर लोगों को गर्मी में राहत दी जा रही है। शनिवार को युवाओं की ओर से बावल रोड पर मीठे पानी की छबील लगाकर लोगों की प्यास बुझाई गई। छबील पर सुबह से दोपहर तक लोगों को शरबत पिलाया गया। समाजसेवी डीके यादव व राकेश शर्मा ने कहा कि गर्मी के मौसम में लोगों की प्यास बुझाना बड़ा पुण्य का कार्य है। लोगों को बेजुबान पक्षियों के लिए भी दाना-पानी का प्रबंध करना चाहिए। पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना और छबील लगाकर लोगों की प्यास बुझाना पुण्य का कार्य है। इस मौके पर रितिक गोंनला, कुनाल, गौरव, कुलदीप, दिलकुश, विजय, प्रकाश, योगेश, संजय, प्रकाश, पिंटा, रूपेश, भारत, योगेश, विनय, नितिन, मनीष, दीपांशु, पंकज, मिर्जा, नीशू, पुनीत व मयंक ने भी सहयोग दिया।

अभियान सफाई अभियान के नाम पर सुबह पांच बजे सड़क पर खड़े किए बच्चे

कोठियों में रहने वाले बच्चों का किनारा झुग्गियों के मासूमों को सड़क पर उतारा

शहर के नामी स्कूलों ने बच्चे भेजने में नहीं दिखाई कोई रूचि

नरेन्द्र वत्स ▶▶ रेवाड़ी

शहर के 'इंदौर' बनाने की मुहिम का इस समय जिस अंदाज में ढिंढोरा पीटा जा रहा है, हकीकत अंदरूनी इलाकों में पड़ी गंदगी के ढेर उजागर करने के लिए काफी हैं। आलीशान कोठियों में रहकर नामी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की इस अभियान से दूरी बनी, तो अब झुग्गियों में रहने वाले बच्चों का सहारा लेना शुरू कर दिया गया है। शनिवार सुबह ही एक स्कूल में पढ़ने वाले मासूम बच्चों को पांच बचे ही अभियान का हिस्सा बनाने के लिए सड़क पर खड़ा कर दिया गया।

सप्ताह में एक दिन हाथ में बैनर और झाड़ू लेकर जिस तरह से सफाई अभियान को प्रचारित किया जा रहा है, उसका अभी तक शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर कोई खास असर देखने को नहीं मिल रहा है। सीएम के आगमन की तैयारियों को लेकर नगर परिषद कर्मचारियों की नींद जरूर टूटी है, जिससे शहर में सफाई व्यवस्था सुचारू करने पर पूरा जोर दिया जा रहा है। आंतरिक मोहल्लों में रहने वाले लोगों को अभी भी नालियों की दुर्गंध और पशुओं के गोबर से निकलने वाली बदबू का सामना करना पड़ रहा है।

जानकार सूत्रों के अनुसार सफाई अभियान एक अच्छी पहल जरूर है, परंतु इसके पीछे चंद लोगों के स्वार्थ निहित बताए जा रहे हैं। अभियान के नाम पर कई कंपनियों से सीएसआर का मोटा फंड भी दबाव बनाकर लिया गया है। इस मामले में एक अधिकारी की 'बलि' तबादले के रूप में चढ़ चुकी है। अभियान के प्रचार-प्रसार के नाम पर ही मोटा पैसा खर्च किया जा रहा है। शहर में बेसहारा पशुओं की संख्या पूर्व की तरह बरकरार है, जो सड़कों पर गंदगी फैलाते हैं। आवारा कुत्तों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। सीएम का प्रोग्राम फाइनल होने के बाद इन पशुओं को गोशालाओं में भेजने के लिए नप के कर्मचारी मैदान में उतरे हैं, ताकि सीएम को वास्तव में शहर 'इंदौर' नजर आए। दिलचस्प बात यह है कि जिन पॉश कॉलोनियों में रहने वाले लोग अभियान चला रहे हैं, उन्हीं कॉलोनियों में नियमों को ताक पर रखकर पशुपालन का कारोबार चलाया जा रहा है। पॉश कॉलानियों में भैंस व गाय बंधी नजर आती हैं।

रेवाड़ी। शनिवार सुबह अभियान के दौरान बाजार की सफाई व्यवस्था का नजारा तथा ब्रास मार्केट में लगा गंदगी का अंबार। फोटो : हरिभूमि

मैडम ने बुला लिया मासूम बच्चों को

इस अभियान की हकीकत समझने के बाद नामी शिक्षण संस्थानों ने दूरी बनाना शुरू कर दिया है। ऐसे स्कूल अपने बच्चों को भेजने से बचने लगे हैं, तो अब झुग्गियों के रहने वाले बच्चों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। इन बच्चों ने बताया कि उनकी मैडम ने उन्हें सुबह 5 बजे बुलाया था। इसके बाद वह काफी देर तक इंतजार करते रहे। आलीशान कोठियों में रहने रहने वाले नामी स्कूली के बच्चों के अभिभावक अब अपने बच्चों को भेजने के लिए तैयार होते नजर नहीं आ रहे।

शहर के बड़े संगठन बनाने लगे दूरी

शहर में ऐसे सामाजिक संगठनों की संख्या कम नहीं है, जो इस तरह के अभियान चलाकर उसका ढिंढोरा पीटने से बचते हैं। शुरूआती दौर में कई संगठनों ने भी अभियान में दिलचस्पी दिखाई, परंतु अब उन्होंने भी दूरी बना ली है। अभियान में चंद लोग ही नजर आते हैं। यह भी चंद मिनटों में जागरूकता का बीड़ा उठाने के लिए अगले सप्ताह की तैयार में लग जाते हैं। फिलहाल जिस तरह से अभियान को प्रचारित किया जा रहा है, सफाई की असल तस्वीर सीएम के दौरे के बाद नजर आएगी।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 8 जून 2025

समय तेजी से बदल रहा है। हर रोज तकनीक नए अवतार में सामने आ रही है। जाहिर है, ऐसे में सर्वाइव करने और ग्रो करने के लिए खुद को लगातार अपडेट करना जरूरी है। अच्छी बात है कि इस बात की महत्ता को समझते हुए आज के युवा अपनी स्किल्स डेवलपमेंट के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

युवा नई स्किल्स सीखकर लगातार हो रहे अपडेट

{ कवर स्टोरी/ डॉ. मोनिका शर्मा }

तेजी से बदलते इस दौर में नई सोच ही नहीं न्यू एज स्किल्स भी आवश्यक हैं। आज के युवाओं को सेल्फ डेवलपमेंट की सोच में व्यक्तित्व ही नहीं कौशल को भी रखना होगा। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का अनुमान है कि 2030 तक 85 फीसदी ऐसी नौकरियां मौजूद होंगी, जो बिल्कुल नए क्षेत्रों से जुड़ी होंगी। यानी, रोजगार के ऐसे फील्ड और अवसर, जो अभी तक अस्तित्व में नहीं हैं। इसलिए युवाओं में एडॉप्टिबिलिटी और नया सीखने की सोच जरूरी है। देखने में आ रहा है कि सरकार और कंपनियां भी निरंतर कौशल विकास की जरूरत पर बल दे रही हैं। असल में तकनीकी तरक्की और कॉर्पोरेट दुनिया के तेजी से बदलते परिवेश में नए लोगों को ही नहीं पहले से जुड़े कर्मचारियों को भी लगातार नई स्किल सीखनी जरूरी है।

बदलते हालातों से तालमेल

बदलाव के प्रति खुला रुख और बदलती परिस्थितियों के साथ तालमेल बैठाने की सोच आज के समय में बहुत आवश्यक है। एडॉप्टिबिलिटी से जुड़ा यह भाव वह सॉफ्ट स्किल है, जिस पर सीखने-समझने की लगातार चलने वाली प्रक्रिया टिकी होती है। असल में एडॉप्टिबिलिटी का मतलब ही नई परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार रखना है। बदलती स्थितियों के साथ आसानी से ढलने की क्षमता जुटाना है। बदलाव के लिए लचीला रुख रखना है। तकनीकी दुनिया में एआई से लेकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में लोगों से जुड़ाव की राह चुनने तक, पेशेवर दुनिया में नित नया सीखते रहने की प्रवृत्ति आज के समय की जरूरत है। आज टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्रीज, सर्विस सेक्टर हर फ्रंट पर बदलाव आ रहा है। काम-काजी दुनिया की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप ढलना जरूरी है। स्किल्स और माइंडसेट के मोर्चे पर स्वयं को संवारते रहने से ही अपडेट रहा जा सकता है। सुखद है कि युवा अपनी स्किल को निखारने को प्राथमिकता भी दे रहे हैं।

मिलते हैं अनेक फायदे

उम्र के हर पड़ाव पर ही कुछ नया सीखना या सीखते रहना आत्मविश्वास की सौगात देता है। बात जब काम-काजी दुनिया में अपनी जमीन पुख्ता करने में जुटे युवाओं की हो तो, यह पहलू और अहम हो जाता है। असल में अपनी स्किल्स निखारने से जॉब में सुरक्षा मिलती है। किसी क्षेत्र विशेष में पहचान बनाने का अवसर मिलता है। मौजूदा नौकरी में तो आगे बढ़ने के अवसर मिलते ही हैं, करियर के नए दरवाजे भी खुलते हैं। मानसिक रूप से यह स्थिति तनाव से भी दूर रखती है, क्योंकि आने वाले समय के लिए खुद को तैयार करने के प्रयास हर तरह की असुरक्षा से दूर रखते हैं। नई स्किल्स सीखने से हर इंसान को अपने आप के बारे में अच्छी और सकारात्मक अनुभूति होती है। अपनी क्षमता के प्रति बने विश्वास से मन अधिक सशक्त महसूस करता है। काम-काजी दुनिया में इस मनःस्थिति के साथ चुनौतियों का सामना करना और आसान हो जाता है। नए स्किल्स सीखने से नए लक्ष्य बनाने और पाने की भी हिम्मत मिलती है। परिस्थितियों के अनुसार कौशल निखार से मिला आत्मविश्वास अनमोल होता है। ऐसे भरोसे से लबरेज मन-मस्तिष्क, हर हाल में कुछ बेहतर करने का मार्ग खोज लेता है। समझना मुश्किल नहीं कि फील्ड चाहे कोई भी हो, योग्यता के मोर्चे पर बेहतरी की ओर बढ़ते जाना कभी व्यर्थ नहीं जाता। *

डेवलप होती है पर्सनालिटी

फॉर्मल डिग्री के बाद भी कुछ नया सीखते रहना व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होता है। नए स्किल्स सीखना अपने ज्ञान को बढ़ाना है। अपनी कार्यक्षमता को बेहतर करना है। समय के साथ चलते रहने की सोच को सही दिशा देना है। खासकर सॉफ्ट स्किल्स को बेहतर करना अच्छी निर्णय क्षमता, प्रभावी कम्युनिकेशन और समस्याओं का समाधान तलाशने में मददगार साबित होता है। ऐसे सभी पहलू व्यक्तित्व विकास से ही जुड़े होते हैं। यही बातें युवाओं की पर्सनालिटी को इंप्रेसिव बनाती हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार, व्यक्ति की पर्सनालिटी उसके स्थाई व्यवहार, विचार, इमोशनल पैटर्न और क्षमताओं को लिए होती है। कॉग्निटिव बिहेवेरियल थेरेपिस्ट और 'द फील गुड जर्नल' के लेखक लुडोविका कोलेला के मुताबिक 'व्यक्तित्व, व्यवहार और विचार पैटर्न का एक संयोजन होता है, जो समय के साथ अपेक्षाकृत स्थिर होता जाता है।' ऐसे में पर्सनल ग्रोथ और पर्सनालिटी डेवलपमेंट, दोनों ही सिस्टमेटिक ढंग से कुछ ना कुछ सीखते रहने से गहराई से जुड़े हैं। साथ ही खुद को सक्रिय रखने के लिए भी न्यू स्किल्स सीखना आवश्यक है। इस तरह नया स्किल, वर्किंग फील्ड में तो बेहतरी से जुड़ा ही है, युवाओं के व्यक्तित्व विकास का भी अहम पहलू है।

अपनी बिजी लाइफ में भी कुछ पल हों दोस्तों के लिए

{ रिलेशनशिप / संध्या सिंह }

वैसे तो आज के दौर में हर व्यक्ति समय की कमी का रोना रोता रहता है। लेकिन इस बिजी लाइफ में भी अगर कुछ पल आप अपने दोस्तों के साथ बिताते हैं तो इसके कई तरह के फायदे आपको मिलेंगे, जीवन में हमेशा जीवंतता बनी रहेगी।

हर रोज सुबह घर से निकलकर पूरा दिन ऑफिस में काम करने के बाद ट्रैफिक और भीड़ की मुश्किलें झेलने के बाद घर पहुंचकर आप अपने कंफर्टेबल जोन में आ जाते हैं। अपने लिए चाय बनाते हैं और किसी किताब को पढ़ने या कोई मनपसंद फिल्म देखने की सोचते हैं। तभी आपके दोस्त का फोन आता है, जिसकी आपके साथ काफी दिनों से मुलाकात नहीं हुई है। वह आपको रात के समय फिल्म देखने के लिए बोलता है तो आप कहते हैं कि नहीं, अब मेरा कोई मूड नहीं है। लेकिन दोस्त 10-15 मिनट के बाद आपको लेने के लिए आ जाता है। मन नहीं होने के बावजूद आप फिल्म देखने चले जाते हैं। लंबे समय के बाद दोस्त से मिलकर, फिल्म देखकर, उसके साथ वक्त बिताकर आपको बहुत अच्छा लगता है। क्या आपने भी ऐसा महसूस किया है?

तनाव होता है कम: यह सच है कि आज के समय में घर से ऑफिस और ऑफिस से घर की व्यस्त दिनचर्या में आपको दोस्तों से मिलने का ख्याल ही नहीं आता है। थकान और तमाम उलझनों के कारण उनके लिए समय निकालना आपके लिए संभव भी नहीं होता। लेकिन विभिन्न सर्वेक्षण इस बात का दावा करते हैं कि अपनी व्यस्त दिनचर्या में भी दोस्तों के लिए वक्त निकालना, आपको काफी हद तक तनावमुक्त करता है। दोस्तों से मिलना, उनके साथ समय बिताना उस समय और जरूरी हो जाता है, जब आप किसी तरह की समस्या से जूझ रहे होते हैं। जाहिर सी बात है, दोस्त के साथ मिलने पर आप उनके साथ अपनी समस्या शेयर करते हैं। आपका दोस्त आपकी समस्या को ध्यान से सुनता है और उसे नए तरीके से देखने और समझने के लिए आपको बहुत सी नई बातें बताता है, जिससे आपको अपनी वो छोटी सी समस्या जितनी पहले बड़ी लग रही थी, अब और छोटी दिखती है।

ऐसे बिताएं समय: यह जरूरी नहीं कि आप अपने पार्टनर के साथ ही घूमने के लिए जाएं। अपने दोस्तों के साथ भी ट्रिप का प्रोग्राम बना सकते हैं। ऐसी ट्रिप, जिसमें सिर्फ आप अपने आपको और दोस्तों को समय दें। न आपके पास लैपटॉप हो, न ई-मेल चेक करने का झंझट और अपने स्मार्टफोन को भी आप दिन के समय या कुछ खास आवर्स में स्विच ऑफ कर दें केवल दोस्तों के साथ घूमने का आनंद लें, घूमें, फिरें और पार्टी करें। उनके साथ मिलकर मूवी देखें, कांसर्ट में शिरकत करें। कोई प्ले देखें। इस तरह की गतिविधियों में शिरकत न करने के कारण हम सामाजिक गतिविधियों से दूर हो जाते हैं। ये वही मौके हैं, जिनके द्वारा आप आपने को सोशलाइज्ड कर सकते हैं।

अलग होता है मिलने का आनंद: अगर आपका दोस्त तनाव में है और वह खुद अपने को घर में बंद कर लेता है, अलग-थलग रहकर वह चिड़चिड़ा और तनावग्रस्त हो जाता है तो यही वह समय है, जब आप उसको उसकी बंद दुनिया से बाहर लाकर अपना सहारा दे सकते हैं। भले ही आजकल मोबाइल फोन, व्हाट्सएप कॉल, ई-मेल या एसएमएस के जरिए हम दोस्तों से कनेक्ट होते हैं, लेकिन वर्चुअल दुनिया से निकलकर आमने-सामने की बातचीत का कोई विकल्प नहीं होता।

मिलने की करें पक्की प्लानिंग: हम अकसर अपने दोस्तों से मिलने की प्लानिंग तो बहुत करते हैं, लेकिन मिल नहीं पाते। इसके लिए हर बार की मीटिंग के बाद अगली बार मिलने की एक तारीख निर्धारित कर लें और उसके लिए किसी भी सूरत में समय निकालें। जीवन की आपा-धापी के बीच दोस्तों के लिए समय जरूर निकालें। तो अगली बार जब आपसे कोई कहे कि चलो मिलते हैं, इसे एक अनिश्चित समय के लिए न टालें। मोबाइल फोन निकालकर कैलेंडर देखकर तुरंत पहले से एक तारीख तय कर लें और अपने शेड्यूल को उसी हिसाब से अडजेस्ट करके अगली बार जरूर मिलें। *

बोरियत को कहें बाय-बाय जिंदगी में भरें नई उमंग

वजहें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन बोरियत की फीलिंग कभी न कभी सभी को होती है। ऐसे में उसकी वजह तलाशें, उसका समाधान करें और जिंदगी को नई उमंग के साथ जीना शुरू करें।

{ लाइफस्टाइल / शैलेंद्र सिंह }

किसी ने सच ही कहा है, चलती का नाम जिंदगी है। लेकिन कभी-कभी अपनी जिंदगी से बोरियत महसूस होने लगती है। बोर होने का मतलब है रुकावट, थकावट, कल्पनाहीनता वगैरह-वगैरह। सवाल है, ऐसी स्थिति में क्या किया जाए? हमें समझना होगा कि जब तक हम कल्पनाशील नहीं होंगे, बोरियत को दूर करने की चेष्टा नहीं करेंगे, तब तक बोरियत हमें अपने चंगुल में जकड़े रखेगी। बोरियत होने के दौरान हमें कोई भी चीज अच्छी नहीं लगती। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि बोरियत एक किस्म का डिप्रेशन है। इसलिए जैसे ही आप बोरियत महसूस करें तुरंत समझ जाएं कि आपके साथ कुछ गड़बड़ है।

बोरियत का मतलब: आमतौर पर बोरियत एक जैसी स्थिति से होती है। एक ही तरह के खाने से, एक ही तरह के कपड़ों से, एक ही तरह के काम से, एक ही जगह रहने से, एक जैसी बातों से और एक जैसे रिश्तों से। कुल मिलाकर बोरियत की तह में है एकरसता। अतः जीवन में एकरसता से बचना चाहिए।

क्यों होती है बोरियत: यह कोई बंधा-बंधाया नियम नहीं है कि बोरियत वही महसूस करेगा, जो शादी-शुदा हो। आजकल काम-काजी जीवन से जूझ रही युवा लोग भी बोरियत के चंगुल में बहुत जल्दी आ जाते हैं। वे चाहते हुए भी इससे दूर नहीं हो पाते। इसका सीधा सा जवाब यह है कि उनके पास सोशल होने का समय नहीं होता है। दोस्तों से झगड़ने का समय नहीं है। अपनों से बात करने का समय नहीं है। पार्टी करने का समय नहीं है। समय के अभाव के चलते बोरियत हमारी जिंदगी में गहरे तक घर कर गई है। बोरियत बड़े पैमाने पर प्रेमियों के संबंधों में देखने को मिलती है। हैरानी की बात यह है मौजूदा समय में बोरियत ने सबसे ज्यादा युवा कपल को ही घेरे रखा है, क्योंकि उनके पास एक-दूसरे के लिए समय नहीं है। इस तरह उनके जीवन में एकरसता बहुत आसानी से आ जाती है। वे ऊब से भर जाते हैं।

ऐसे करें बोरियत दूर: पुरुषों को यह समझना चाहिए कि आमतौर पर हर महिला की जिंदगी में उसका प्यार सबसे ज्यादा मायने रखता है। चाहे उसके पास करने को बहुत कुछ हो, चाहे उसके पास सोचने को बहुत कुछ हो, बावजूद इसके उनके जीवन में अपना पार्टनर सबसे खास होता है। लेकिन जैसे ही उसे महसूस होने लगे कि उसका पार्टनर काम के दबाव के चलते उसे नजरंदाज कर रहा है तो वह गहरे तक अवसादग्रस्त हो जाती है। वे मनोवैज्ञानिक तौर पर बुरी तरह आहत हो जाती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि मन ही मन कुढ़ना स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। इसलिए पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को समय दें और अपने जीवन से बोरियत दूर रखें।

इन पर भी करें अमल: कपल्स के लिए यह भी जरूरी है कि हमेशा रोमांटिक बने रहें। चाहे स्थितियां कैसी भी क्यों न हो, अपने पार्टनर का सम्मान करें और उसे अपना पूरा समय दें। खासतौर पर पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को जरा भी नजरंदाज न करें। बोरियत से बचने के लिए हमेशा खुद में नए-नए बदलाव करते रहें। कभी-कभी घर को भी नया लुक देकर बोरियत से दूर हुआ जा सकता है। लड़कियों के लिए खुद को सजाना हमेशा दिलचस्पी भरा होता है। बोरियत घेर रही हो तो खुद को संवारें। यही नहीं रोमांसपूर्ण आकर्षण बनाए रखने के लिए कोशिश करें कि वही ड्रेस पहनें जो एक-दूसरे को अच्छे लगें। अचानक का स्पर्श भी आकर्षण बढ़ाता है, इसलिए मौका बे मौका एक-दूसरे को चुपके से छुएं जब दूसरा किसी और काम में खोया हो। इस तरह से दोनों के बीच लगाव बना रहेगा, जो बोरियत से दूर रखती है। जो लोग सिंगल है, वे अपने दोस्तों के साथ आउटिंग और हैंगआउट कर सकते हैं। बोर शब्द बेहद सामान्य प्रतीत होता है और लगता है कि कुछ घंटों में ही हम सामान्य हो जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो पाता, क्योंकि बोरियत दीमक की तरह है जो धीरे-धीरे अंदर की जीवंतता को निचोड़ लेती है। इसलिए अपने आस-पास के माहौल में भी निरंतर तब्दीलियां करें और रिश्तों में हमेशा गर्मजोशी बनाए रखें। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

शोधपरक-संग्रहणीय पुस्तक

हिंदी पत्रकारिता के इतिहास का विधिवत विवरण वर्ष 1826 से मिलता है, जब 'उदंत मार्तंड' साप्ताहिक समाचार पत्र के माध्यम से जुगल किशोर शुक्ल ने इसकी शुरुआत की। इसके लगभग 50-55 वर्ष के बाद ही वर्ष 1882 में हिंदी बाल पत्रकारिता की भी नींव पड़ी। उसके बाद से लेकर इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक तक पहुंचने की अपनी यात्रा में बाल पत्रकारिता, किन-किन सोपानों से होकर गुजरी, किन विभूतियों ने बाल पत्रकारिता को दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और किन प्रमुख बाल पत्रिकाओं ने बाल पाठकों को आकृष्ट करने में महती भूमिका निभाई, इन तमाम पक्षों पर विस्तार से और पूरी प्रामाणिकता के साथ ब्योरा प्रस्तुत करती है, कुछ समय पूर्व छपकर आई पुस्तक-हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास। इसे सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. सुरेंद्र विक्रम ने लिखा है। इस किताब को कुल पांच अध्यायों में बांटा गया है। पहले अध्याय में वर्ष 1882 से 1947 तक, दूसरे अध्याय में 1948 से 1960 तक, तीसरे अध्याय में 1961 से 2000 तक, चौथे अध्याय में 2001 से अब तक की बाल पत्रकारिता पर विहंगम दृष्टि डाली गई है। पांचवें अध्याय में हस्तलिखित बाल पत्रिकाओं का दुर्लभ विवरण दिया गया है। परिशिष्ट में सौ से अधिक बाल पत्रिकाओं के मुख पृष्ठ का संकलन लेखक के समर्पण और अथक परिश्रम को सिद्ध करता है। कुल मिलाकर यह एक शोधपरक-संग्रहणीय किताब है। *

पुस्तक: हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास, **लेखक:** डॉ. सुरेंद्र विक्रम, **मूल्य:** 600 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

भूखे भजन न होय गोपाला

अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।'

{ व्यंग्य / रमेश सैनी }

रामलाल बहुत सहनशील सहिष्णु लंबी सोच वाले व्यक्ति हैं। उनकी सोच बहुत उदारवादी है। *जीना ऐसा ना कोई से दोस्ती ना काहू से बैर। जहां काम पड़े अपना, अपना लो भले हो गैर।* यह उनके जीवन का फलसफा है। वे रोज सुबह चाय-पान के बाद अखबार पढ़ते हैं। उसमें भी सबसे पहले सिटी पेज में साहित्यिक, धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों की सूचना पढ़ते हैं। लंबे अनुभव ने उन्हें सिखा दिया है कि किस आयोजन में स्वरुचि भोजन की व्यवस्था है। अनेक बार यह संयोग हो जाता है कि एक ही दिन में दो-चार आयोजन स्वरुचि भोज वाले की संभावना होती है। तब यह कयास लगाते हैं कि सबसे अच्छा भोज कहां पर होगा? तब वे उस आयोजन में ठाठ-बाट के साथ सम्मिलित हो जाते हैं। वे साहित्यक, धार्मिक और राजनीतिक आयोजनों के हिसाब से ड्रेस का चयन करते हैं। रामलाल जी अभिनय कला में मास्टर हैं। जहां जैसी जरूरत पड़ी, वैसा अपने को ढाल लेते हैं।

वे कुछ दिन पहले एक साहित्यिक आयोजन में मिल गए। आजकल आयोजन में भी भीड़ जुटाने के लिए स्वरुचि भोज रख लेते हैं। ऐसे में आयोजक को लगता है कि काफी भीड़ जुटी है और आयोजन सफल हो गया है। आयोजक भी श्रोताओं की सहनशक्ति, धैर्य और विश्वास की परीक्षा लेते हैं, उन्हें लगता है अगर शुरुआत में ही भोज रख दिया तो लोग खाकर आयोजन से निकल लेंगे। इस वजह से कार्यक्रम के बाद भोज रखते हैं। पर आयोजक डार-डार और श्रोता पात-पात। कुछ लोग समूह बनाकर आयोजन को सफल बनाने में योगदान देते हैं। ऐसे समूह में जो चतुर-चालाक और समझदार किस्म के लोग होते हैं, उन्हें आयोजन में शुरुआत में भेज देते हैं। उन्हें अकल होती है कि आयोजन कब खत्म होगा उसका अनुमान लगा लेते हैं। फिर वे कार्यक्रम खत्म होने के आधा-पौन घंटा पहले फोन कर देते हैं। तब उनके लोग भोज प्रारंभ होने के पहले भोजन स्थल पर पहुंच जाते हैं। रामलाल जी इसी तरह वर्षों से आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

उस रोज भी आयोजन समाप्त होने पर, जैसे ही स्वरुचि भोज आरंभ हुआ वहां उपस्थित अधिकांश लोग हमलावर के रूप में भोजन के स्टॉल पर टूट पड़े। मैं भी भीड़ में लग गया और सबके साथ धक्के खाकर भोजन के स्टॉल तक पहुंच गया। फिर धक्के से आगे बढ़ा तो सलाद, अचार और पापड़ के पास पहुंचा। मेरे आगे खड़े सज्जन मेरी दयनीय स्थिति को देखकर द्रवित हो गए और टमाटर के आठ-दस टुकड़े, दस-बारह पापड़ के टुकड़े मेरी प्लेट में रख दिए। फिर उन्होंने मुट्ठी भर अचार के टुकड़े मेरी प्लेट पर पटक दिए। मैं वहीं रुककर उन्हें कातर निरीह नजरों से देखने लगा। पर भीड़ को मेरा इस तरह रुककर देखना पसंद नहीं आया और मुझे धक्का मार कर लाइन से अलग कर दिया। फिर मैंने अपनी नजरें चारों ओर दौड़ाईं, शायद कोई पहचान वाला मिल जाए। तब देखा रामलाल आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। काफी कशमकश के बाद वे हार मान गए और लाइन से बाहर आ गए। मैंने दूर से उन्हें इशारा किया, यहां कैसे? मेरे पास आकर बोले, 'भाई साहब ने बुलाया था, तो मजबूरन आना पड़ा।' यह उनका तकिया कलाम है। मैंने देखा उनकी प्लेट में सिर्फ दाल ही दाल दिख रही थी। मैंने पूछा, 'यह क्या, सिर्फ दाल! किसी वैद्य ने कहा है?' इस पर मुस्कुरा कर बोले, 'सिर्फ दाल ही ले पाया। आगे बढ़ने से पहले ही भीड़ के धक्के ने इस शरीफ आदमी को समुद्र की लहर की भांति बाहर कर दिया।' यह कहकर वे एक किनारे खड़े हो चारों तरफ देखने लगे। उनकी नजर लाइन में लगे लोगों से टकराई। एक इशारा आया। उन्होंने संकेत भाषा में उत्तर दिया। तब वह आदमी दो कदम आगे बढ़ा। चार-छः कटोरी प्लेट में रखी और उनमें रायता भरकर बाहर आ गया। मुझे आश्चर्य हुआ। एक ही जगह से बाहर कैसे आ गया? उस आदमी ने आगे खड़े दो-तीन लोगों को संकेत किया। उन्होंने भी संकेत में अपना अभिप्राय बताया, फिर वे लोग एक-एक कर बाहर आकर खड़े हो गए। मैंने देखा एक की कटोरियों में पनीर की सब्जी भरी है और साथ में दस-पंद्रह रोटियां। दूसरे की कटोरियों में रसगुल्ले ही भरे पड़े हैं और तीसरे की प्लेट में चावल या उसे पुलाव कहा जाए पूरी तरह लबालब भरा हुआ है। चौथे आदमी की प्लेट में आठ-दस कटोरियों में खीर थीं। अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।' मैं भी उनके साथ खड़ा था। उन्होंने मुझ पर दया कर कुछ चीजें मेरी प्लेट में रख दीं।

अब सबके साथ मैं भी खाने लगा पर धीरे-धीरे। तब उनमें से एक ने कहा, 'भाई साहब, संकोच मत करिए, दिल खोलकर खाइए। हम मेहनत का खा रहे हैं। आप तो निश्चिंत होकर खाएं। इस सुरुचि भोज को हम लोग सहभागी भोज बनाकर एक पिकनिक सा आनंद लेते हैं।' तब मैंने उनसे कहा, 'आज का कार्यक्रम बहुत अच्छा रहा।' उनमें से दूसरा बोला, 'कार्यक्रम! हमें तो समझ में नहीं आया, हमारा पूरा ध्यान कार्यक्रम के बाद भोज में ही रहा। भोजन अच्छा, तो कार्यक्रम अच्छा। अन्यथा सब बेकार है। आखिर हम लोग खाना खाने के लिए ही तो जीते हैं और जीने के लिए ही खाते हैं। हमारे यहां कहावत है-भूखे भजन न होय गोपाला।' यह कह वे चुप होकर मुझे देखने लगे और मैं उन्हें। *

अनोखा शहर
शिखर चंद जैन

बहुत अजब-अनूठा है आइस सिटी हार्बिन

भारत के पड़ोसी मुल्क चीन का शहर हार्बिन अपने आप में कई सारी खूबियां समेटे हुए है। 'आइस सिटी' यानी 'बर्फ का शहर' नाम से मशहूर यह शहर अपने ठंडे-बर्फीले वातावरण के साथ-साथ यहां के दर्शनीय स्थलों और विभिन्न आयोजनों की वजह से दुनिया भर में मशहूर है।

कभी-कभी आपके मन में ख्याल आता होगा कि कितना अच्छा हो कि इस चिलचिलाती धूप और झुलसा देने वाली गर्मी से बचने के लिए हम किसी बर्फ के शहर में पहुंच जाएं। यह सिर्फ किस्सों-ख्यालों की बात नहीं है। दुनिया में वास्तव में मौजूद है एक ऐसा ठिकाना जो कहलाता है, बर्फ का शहर। जी हां, हम बात कर रहे हैं चीन में बसे अनूठे शहर हार्बिन की।

हार्बिन का इतिहास: इस अनूठे शहर की स्थापना रूस द्वारा एक बस्ती के रूप में की गई थी। इसका निर्माण व्लादिवोस्तोक और रूसी पोर्ट आर्थर (अब डालियान) के बीच रेलवे

(1896-1904 में निर्मित) को सपोर्ट देने के लिए किया गया था। यह कभी सोंगहुआ नदी पर स्थित एक साधारण गांव था, जहां के वाशिंदों की आजीविका का मुख्य साधन मछली पकड़ना था। बाद में बड़ी संख्या में रूसी और यूरोपीय प्रवासी हार्बिन में आए, जिससे शहर में विदेशी संस्कृति और स्वाद आया। ये लोग अपने साथ अपनी यूरोपीय परंपराएं और मान्यताएं भी लेकर आए। इन्हीं सब कारणों से हार्बिन का रंग-ढंग और यहां की संस्कृति बदली।

मिली-जुली संस्कृति: 'आइस सिटी' यानी 'बर्फ का शहर' के नाम से मशहूर हार्बिन, चीन के हेइलोंगजियांग प्रांत की राजधानी है। यहां की संस्कृति, वास्तुकला और जीवनशैली रूस, जापान समेत यूरोप और एशिया के कई देशों से प्रभावित है। हार्बिन पर्यटन की दृष्टि से दुनिया के लोकप्रिय स्थलों में से एक है। वास्तुकला के उत्कृष्ट नमूने जैसे- पुराना क्वार्टर, सेंट सोफिया कैथेड्रल, सेंट्रल एवेन्यू (पैदल यात्री सड़क), स्टालिन पार्क आदि यहां के खास आकर्षण हैं।

इस वजह से रहता है ठंडा: आप सोच रहे होंगे कि हार्बिन का मौसम इतना बर्फीला, इतना ठंडा क्यों है? दरअसल, साइबेरिया और मंगोलियाई पठार से ठंडी हवा पूर्व और दक्षिण की ओर यानी सीधे हार्बिन के ऊपर से बहती हैं, जिससे हार्बिन एक 'बर्फीला शहर' बन जाता है। इसके अलावा, हार्बिन एक तटीय शहर नहीं है। यह जापान सागर से 500 किमी से अधिक दूर है, इसलिए प्रशांत महासागर की गर्म धाराओं से कम ही प्रभावित होता है। इसलिए हार्बिन पश्चिमी यूरोप और जापान के शहरों की तुलना में अधिक ठंडा होता है। हार्बिन में सबसे ठंडा महीना जनवरी होता है, जब यहां का तापमान औसतन माइनस 18 डिग्री सेल्सियस (0 डिग्री फारेनहाइट) होता है।

हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड: यहां का सबसे लोकप्रिय स्थान हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड है, जो एक जमे हुए डिजनीलैंड की तरह दिखता है। इसमें आप बर्फ के महल, कार्टून, मूर्तियां देख सकते हैं और बर्फ के खेल और गतिविधियों की विविधता का आनंद ले सकते हैं। हार्बिन का आइस पार्क लगभग 8,10,000 वर्ग मीटर में फैला है, जो असंख्य मानव-निर्मित बर्फ की मूर्तियों, महलों एवं अन्य आकृतियों से सुसज्जित है। सूर्यास्त के बाद कृत्रिम रोशनी से जगमगाती ये मूर्तियां और आकृतियां पारंपरिक चीनी शैली की इमारतों से लेकर आकर्षक परीकथा महल और बीजिंग के स्वर्ग के मंदिर की याद दिलाती हैं। इसे सोंगहुआ नदी की लगभग 250,000 घन मीटर बर्फ से तैयार किया गया है। यहां दुनिया के सबसे बड़े बर्फ महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

अनोखा है बर्फ महोत्सव: हार्बिन अंतरराष्ट्रीय बर्फ और बर्फ मूर्तिकला महोत्सव यहां आने वाले पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करता है। यहां 300 फुटबॉल मैदानों के बराबर क्षेत्रफल में एक 'आइस सिटी' बनाई जाती है, जिसमें लगभग 500 मिलियन डॉलर की लागत आती है। इस बर्फीले परिदृश्य के बीच, पर्यटक स्कीईंग के साथ-साथ बर्फ पर बाइकिंग का भी आनंद ले सकते हैं। बर्फ महोत्सव के दौरान यहां का तापमान माइनस 35 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। हार्बिन का बर्फ महोत्सव पर्यटकों और फोटोग्राफरों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

अन्य गतिविधियां: बर्फ महोत्सव में पर्यटक पांच अलग-अलग थीम पार्कों का भ्रमण कर सकते हैं। ये थीम पार्क हैं- सन आइलैंड इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर आर्ट एक्सपो, हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड, हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड, झाओलिन पार्क आइस लैंटर्न आर्ट फेयर और सोंगहुआ रिवर आइस एंड स्नो कार्निवल। सन आइलैंड इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर आर्ट एक्सपो में दुनिया भर के कलाकारों द्वारा बनाई गई विशाल बर्फ की मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं। हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड और झाओलिन पार्क आइस लैंटर्न आर्ट फेयर में आकर्षक आइस लैंटर्न प्रदर्शन किए जाते हैं। हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड में एक हजार से अधिक रोशन लालटेन और सैकड़ों मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं, जिनमें स्थानीय लोगों और कॉलेज के छात्रों द्वारा जटिल नक्काशीदार आर्ट्स शामिल हैं। झाओलिन पार्क, जहां आइस लैंटर्न शो और गार्डन पार्टी का आयोजन किया जाता है, शाम को रंगीन लालटेन से आगंतुकों को चकाचौंध कर देता है, साथ ही यहां लाइव बर्फ-नक्काशी प्रतियोगिताएं भी होती हैं। रोमांच पसंद करने वालों के लिए, बर्फ की चट्टान पर चढ़ना, बर्फ पर तीरंदाजी, बर्फ पर गोल्फ और स्नोबॉल की लड़ाई जैसी गतिविधियां भी यहां होती हैं। हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड, इस आयोजन का सबसे जीवंत स्थल है, जहां स्केटिंग, स्कीइंग, बर्फ की भूल-भुलैया और बर्फ पर बाइकिंग की सुविधा भी है। रोमांच चाहने वाले सुपर स्लाइड पर रोमांचक सवारी का आनंद ले सकते हैं, जिनमें से कुछ 1,000 फीट तक ऊंचे हैं। *

मिला संगीत शहर का खिताब

हार्बिन में संगीत की ऐतिहासिक एवं समृद्ध परंपरा रही है। यहां संगीत को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर संगीत के विविध आयोजन किए जाते हैं। साल 2010 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसे संगीत का शहर घोषित किया गया था।

प्रमुख रेलवे केंद्र

हार्बिन पूर्वोत्तर चीन का प्रमुख उत्तरी रेलवे केंद्र है। साथ ही यह चीन और पूर्वोत्तर एशिया को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण रेलवे केंद्र है। चीन के पूर्वी रेलवे के निर्माण के क्रम में हार्बिन का विकास हुआ, इसलिए चीनी कहते हैं कि हार्बिन 'ट्रेनों द्वारा परिवहन किया जाने वाला शहर' है।

सेल्फ ग्रोथ के लिए अच्छी नहीं दूसरों में कमी खोजने की आदत

कुछ लोग हमेशा दूसरों में कमियां खोजते रहते हैं। इससे वे स्वयं में जरूरी बदलाव नहीं कर पाते हैं। इस बैड हैबिट के क्या नुकसान हो सकते हैं और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए, बहुत उपयोगी सलाह।

मोटिवेशन
शिखर चंद जैन

एक कहावत है कि अगर आपको हर किसी में खोट और कमी नजर आती है तो कमी दूसरों में नहीं बल्कि आप में है। इसका मतलब यह है कि आप ऐसे लोगों में से एक हैं, जिन्हें चांद में दाग दिखता है लेकिन उसका धवल प्रकाश, शीतल चांदनी और लुभावना आकार नजर नहीं आता। आपको गुलाब में कांटे दिखते हैं, लेकिन उसकी मनभावन खुशबू को आप महसूस नहीं कर पाते। इसके विपरीत जब आप दूसरों की विशेषताएं उनकी सफलता, समृद्धि और अच्छी आदतों को देखना और जज्ब करना सीख जाते हैं तो आप खुद की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने लगते हैं। आप आगे बढ़ना चाहते हैं तो दूसरों की अच्छाइयों को अपनाएं और अपनी कमियों को पहचान कर उन्हें दूर करें।

कोसना बंद करें: कुछ कारणों से अगर आप वांछित तरक्की नहीं कर पाए हैं या अपने लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए हैं तो इसके लिए दूसरों को दोष देना या अपनी तकदीर को कोसना बंद करें। हर सुबह एक नई ऊर्जा, स्वप्रेरणा और फोकस के साथ उठें और अपनी तरक्की के लिए स्वयं सचेष्ट होने का प्रण लें। नकारात्मक विचारों को मन से निकाल फेकें और दूसरों को नियंत्रित करने के ख्याल मन में लाने की बजाय अपने क्रिया-कलाप को नियंत्रित करें ताकि आप सही दिशा में कार्यशील रहें।

नजरिया रखता है मायने: हमारा दिमाग चीजों को कैसे देखता है उस पर भी हमारे जीवन का बेहतर होना निर्भर करता है। मैसाचूसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस की प्रोफेसर टेलीशेरोट कहती हैं कि जिंदगी को बेहतर बनाने के प्रयासों के साथ-साथ हमें इसे बेहतर तरीके से देखना भी सीखना होगा। इसके लिए हमें अपने आस-पास मौजूद हमारे घर में उपलब्ध उन चीजों और लोगों का महत्व समझना होगा, जो न होतीं तो हमारा जीवन कैसा होता? फिर इस बात पर गौर करना होगा कि कौन से छोटे-छोटे बदलाव हमें बेहतर बना सकते हैं?

एवरेज मानसिकता से उबरें: अगर आपको आगे बढ़ना है और उन चंद लोगों की सूची में खुद को देखना है, जो आमजन से अलग और ऊपर हैं तो आपको 95 फीसदी लोगों की नहीं सफलतम 5 फीसदी लोगों की आदतों को अपनाना होगा। जाने-माने मोटिवेशनल लेखक रॉबिन शर्मा ने अपनी पुस्तक 'द 5 एएम क्लब' में लिखा है कि अपने दिन की शुरुआत एक लक्ष्य और ऊर्जा के साथ करें। केवल मानसिकता और आशावाद पर ही निर्भर ना रहें। इन सबके साथ-साथ संतुलन पर भी ध्यान दें। अपने स्वास्थ्य, मन और आत्मा पर भी ध्यान दें और उनकी ताकत का इस्तेमाल करें।

इस प्रवृत्ति से स्वयं को रोकें: विशेषज्ञ कहते हैं कि हम अपने आस-पास के लोगों की बेकार में ही कमियां ढूंढते रहते हैं, जबकि उनसे हमारा कोई लेना-देना नहीं होता। इसके लिए आपको सतर्क रहना होगा। खासकर तब जब आप किसी के रूप, रंग और व्यवहार को लेकर नकारात्मक धारणाएं बना रहे होते हैं। मनोचिकित्सक कहते हैं कि जब आप किसी की आलोचना करें या कमियां निकालें तो सबसे पहले खुद का आकलन करें।

इस आदत के नुकसान: हमेशा दूसरों में कमियां ढूंढने से आपकी सहानुभूति और समानुभूति से जुड़ी समझ और भावनाएं धुंधली पड़ सकती हैं। नए दृष्टिकोण के प्रति आपकी ग्रहणशीलता कम हो जाती है। आप यह सोच ही नहीं पाते कि आपसे अलग भी कोई सोच सही और उपयोगी हो सकती है। आप हमेशा तुरंत प्रतिक्रिया करने की ओर अधिक प्रवृत्त हो सकते हैं। आपको लगने लगता है कि आप किसी की जितनी ज्यादा कमियां ढूंढेंगे आपको उतना ही ज्यादा बेहतर महसूस होगा। इससे आपकी सोच प्रभावित होगी और ग्रोथ प्रभावित होगी। *

लोगों को जज ना करें

अकसर व्यवहारगत कारण हमारी तरक्की की राह में रुकावट बनते हैं। सफल लोगों की कुछ खास आदतें विनम्रता, परोपकार और मिलनसारिता उन्हें आगे ले जाती हैं। 'व्हाट गॉट यू हियर वॉन्ट गेट यू देयर' के लेखक मार्शल गोल्डस्मिथ कहते हैं कि सफल लोगों के विचार ठोस होते हैं और उन्होंने अपने लिए ऊंचे मानक तय किए होते हैं। इसलिए अपनी आदतों के प्रति सजग रहें। लोगों को थैंक यू बोलना सीखें और सुनने की कला विकसित करें।

रोचक / अपराजिता

समय की सटीक गणना करना हमें जितना आसान लगता है, उतना होता नहीं है। इसमें कई फैक्टर्स काम करते हैं। समय की सटीक गणना करने की प्रक्रिया कब कैसे शुरू हुई, जानिए।

आज भी आसान नहीं है समय की सटीक गणना

अगर आपने कभी समय की सटीक सूक्ष्मता पर गंभीरता से नहीं सोचा तो एक मायने में कहना होगा कि आप समझदार और व्यावहारिक व्यक्ति हैं, क्योंकि भले आम आदमी के लिए आज टाइम या समय जानना बेहद आसान हो। हम मोबाइल से लेकर लैपटॉप तक कहीं भी एक नजर डालकर पलक झपकते समय जान लेते हों। लेकिन अगर आप समय को भौतिक विज्ञान की नजर से समझने में रुचि रखते हैं तो समझ लीजिए आपके लिए सही समय जानना, वाकई रॉकेट साइंस जैसा जटिल हो जाएगा। जी हां, तकनीक के इस अतिविकसित काल में भी सही समय जानना और लगातार सही समय के साथ संपर्क में रहना कितना जटिल है, इसे वही लोग जानते हैं, जिन्हें हम टाइम कीपर कहते हैं।

इसलिए होता है कठिन: सटीक समय जानना इसलिए कठिन होता है क्योंकि समय की सटीकता केवल घड़ी देखने तक सीमित नहीं होती है, बल्कि यह वैश्विक संचार, नेविगेशन, वित्तीय लेन-देन और वैज्ञानिक अनुसंधानों से गहराई से जुड़ी हुई स्थिति है। टाइमकीपर्स के लिए यह एक बड़ी चुनौती इसलिए होती है, क्योंकि समय का प्रवाह पूर्णतः स्थिर नहीं होता। सापेक्षता के सिद्धांत के अनुसार, गुरुत्वाकर्षण और गति का प्रभाव भी समय को थोड़ा बहुत प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, पृथ्वी की सतह की तुलना में उपग्रहों पर लगी घड़ियां थोड़ा अलग गति से चलती हैं। साथ ही पृथ्वी की घूर्णन गति में छोटे-छोटे परिवर्तन होते हैं, जिससे कभी-कभी 'लीप सेकेंड' जोड़ना पड़ता है। दुनिया भर को हर पल सही समय के साथ रखने के लिए परमाणु घड़ियों के नेटवर्क को सिंक करना जरूरी होता है, क्योंकि जीपीएस, इंटरनेट, बैंकिंग सिस्टम और टेलीकॉम नेटवर्क इसी सटीक वैश्विक समय पर निर्भर करते हैं। इस सबके लिए माइक्रोसेकेंड (1 सेकेंड का दस लाखवां भाग) के स्तर की सटीकता चाहिए होती है, जो बनाए रखना किसी भी क्षण आसान नहीं होता है।

इसलिए सटीकता है जरूरी: आज के दौर में समय की सटीकता का रिश्ता, साइबर सुरक्षा से भी जुड़ गया है। आधुनिक समय-संकेतों को साइबर हमले से सुरक्षित रखना जरूरी है। यदि किसी देश का टाइम-सिग्नल हैक हो जाए, तो बैंकिंग, इंटरनेट और सैन्य सिस्टम प्रभावित हो सकते हैं। समय को सटीकता के पैमाने पर खरा बनाए रखने के लिए भिन्न समय मानकों के साथ सौ फीसदी सटीक तालमेल जरूरी होता है। आज इंसान को हर पल जो यह सटीक समय जानने की सुविधा है, वह कई शताब्दियों के वैज्ञानिक प्रयासों का नतीजा है। लेकिन इसे बनाए रखना लगातार जटिल होता जा रहा है, खासकर जब माइक्रोसेकेंड और नैनोसेकेंड की सटीकता की जरूरत बढ़ती जा रही हो। *

सही समय जानने की यात्रा

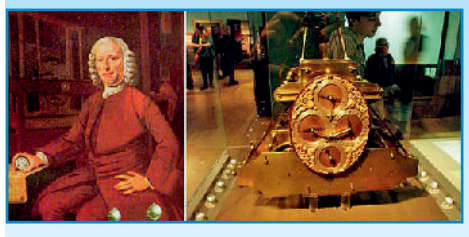

इंसान को सटीक समय जानने की सुविधा कब और कैसे मिली? इस सवाल का जवाब है, प्राचीन काल में कई प्रयोगों के बाद यह सौगात हासिल हुई है। पहले सूर्यघड़ी और जलघड़ी जैसी तकनीकों से समय मापा जाता था, लेकिन ये मौसम और भौगोलिक स्थितियों पर निर्भर हुआ करती थी। इसके बाद आया यांत्रिक घड़ियों का युग (13वीं-14वीं सदी)। सबसे पहले यूरोप में यांत्रिक घड़ियां बनीं, लेकिन इनमें लाख कोशिशों के बावजूद कुछ मिनटों का फर्क रह जाता था। इन्हीं दिनों यानी अठारहवीं शताब्दी में समुद्री यात्रा में सटीक समय जानना अनिवार्य हो गया, क्योंकि तभी समुद्री जहाज अपनी सही स्थिति जान सकते थे। इस सिलसिले में सन 1761 में जॉन हैरिसन ने पहला समुद्री क्रोनोमीटर बनाया, जिससे सटीक समय मापना संभव हुआ।

समय का पहिया आगे बढ़ा फिर 19वीं सदी में रेलवे और टेलीग्राफ का युग आया। आगे चलकर ट्रेनों के समय समन्वय के लिए भी सटीक समय जानना जरूरी हो गया। सन 1884 में पहली बार वैश्विक समय-क्षेत्र यानी टाइम जोन बनाए गए। साथ ही इसी दौर में टेलीग्राफ नेटवर्क ने एक घड़ी को दूसरी से जोड़कर सही समय पहुंचाने में मदद की। सही समय जानने का अगला तरीका था परमाणु घड़ी। बीसवीं सदी का यह समय सचमुच अल्ट्रा-सटीक समय था। सन 1949 में पहली परमाणु घड़ी बनी, जिसने

माइक्रोसेकेंड स्तर की सटीकता दी। इससे भी आगे 1967 में सेसियम परमाणु घड़ी के आधार पर सेकेंड को परिभाषित किया गया। भला तब कौन जानता था कि आने वाले दिनों में जीपीएस और इंटरनेट आने वाला है, जिसके लिए टाइम की नैनो सेकेंड तक की सटीकता की दरकार होगी। आज जीपीएस सैटेलाइट्स परमाणु घड़ियों का उपयोग करके हमें सटीक समय देते हैं। आज इंटरनेट टाइम प्रोटोकॉल से दुनिया भर के कंप्यूटर और स्मार्टफोन सही समय सिंक कर पाते हैं।

जंतु-जगत
रजनी अरोड़ा

विलुप्ति की कगार पर हैं ये जंतु प्रजातियां

दुनिया में कई जीव-जंतु की प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। इनकी संख्या दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुके ऐसे ही कुछ संकटग्रस्त पशु-पक्षियों के बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

हॉक्सबिल टर्टल

इस समुद्री कछुए का शिकार इसके खूबसूरत कवच के लिए किया जाता है। समुद्री प्रदूषण और आवास विनाश भी इसके लिए खतरा है। दुनिया में इनकी अनुमानित संख्या 8,000-10,000 है।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पृथ्वी पर जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों की ज्ञात प्रजातियों की संख्या लगभग तेरह लाख है, जिनमें से हम तकरीबन 14 प्रतिशत के बारे में ही जानते हैं। लेकिन अब एक लाख से अधिक प्रजातियों पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। मानव की बढ़ती जरूरतों की खातिर जंगलों की अंधाधुंध कटाई, जीव-जंतुओं के प्राकृतिक आवास का अतिक्रमण, उनका अवैध शिकार और उनके विभिन्न अंगों की तस्करी या व्यापार, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन... ऐसी अनेक वजहों से कई जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ और अन्य जैव संरक्षण संगठनों के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार दुनिया में जीव-जंतुओं की एक लाख से अधिक प्रजातियां संकट में हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

अमूर तेंदुआ: यह दुनिया का सबसे दुर्लभ तेंदुआ प्रजाति है, जो रूस और चीन के सीमावर्ती जंगलों में पाए जाते हैं। इनकी कुल संख्या केवल 100 के आस-पास बची है। इसके सुंदर धब्बेदार फर के लिए इसका शिकार किया जाता है। इसके अलावा जंगलों की कटाई और इनब्रीडिंग की वजह से भी इसका अस्तित्व संकट में है।

सुमात्रन गैंडा: यह दुनिया का सबसे छोटा और दो सींग वाला गैंडा है, जो अब केवल

इंडोनेशिया के कुछ इलाकों व सुमात्रा द्वीप में बचे हैं। इनके भी लगभग 80 सदस्य ही बचे हैं। शिकार और आबादी का विखंडन इसके लिए मुख्य खतरे हैं।

बोर्नियन-सुमात्रन ओरंग उटान: ये एशिया के वर्षावनों में पाए जाते हैं। जंगलों की कटाई (खासकर पाम ऑयल के लिए), शिकार और आगजनी की वजह से इनकी संख्या तेजी से घट रही है। इंडोनेशिया के सुमात्रा में लगभग 14,000 ओरंग उटान बचे हैं।

क्रॉस रिवर गोरिल्ला: यह अफ्रीका के कुछ जंगलों में पाया जाता है। ये अब मात्र 250-300 की संख्या में बचे हैं। आवास विनाश और शिकार की वजह से इनका अस्तित्व खतरे में है।

व्हेल शार्क: दुनिया का सबसे बड़ा स्तनपायी जंतु व्हेल शार्क, शिकार और समुद्री प्रदूषण के कारण संकट में है। दुनिया

में इनकी अनुमानित संख्या 10,000-20,000 के बीच है।

पैंगोलिन: एशिया और अफ्रीका में मिलने वाला यह स्केलयुक्त स्तनपायी दुनिया में सबसे ज्यादा तस्करी किया जाता है। ऊंचे दामों पर बिकने वाले इनके स्केल पाने की वजह से इनका शिकार किया जाता है, जिससे इनके विलुप्त होने का खतरा बढ़ गया है।

अनुमान है कि पिछले दशक 10 लाख से ज्यादा पैंगोलिन तस्करी के शिकार हुए।

गंगा डॉल्फिन: भारत और पड़ोसी देशों की नदियों में पाई जाने वाली यह डॉल्फिन जल प्रदूषण, बांध और शिकार के कारण संकटग्रस्त है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश की नदियों में 3,500-4,000 डॉल्फिन रह गई हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड: यह विशाल पक्षी राजस्थान और गुजरात के शुष्क क्षेत्रों में पाया जाता है। इसकी संख्या अब 150 से भी कम रह गई है। यह भारत के सबसे संकटग्रस्त पक्षियों में गिना जाता है। बिजली के तारों से टकराना और अवैध शिकार इसके प्रमुख खतरे हैं। *

बंगाल टाइगर

भारत का राष्ट्रीय पशु बंगाल टाइगर, विश्व की सबसे प्रतिष्ठित बड़ी बिल्ली प्रजातियों में से एक है। यह मुख्य रूप से संरक्षित क्षेत्रों जैसे सुंदरबन, काजीरंगा, बांधवगढ़, रणथंभौर और कॉर्बेट में पाया जाता है। 20वीं सदी के मध्य तक इसकी संख्या बहुत तेजी से गिर गई थी। आज इनकी संख्या तकरीबन 4 हजार रह गई है। इनकी घटती संख्या का कारण है, खाल के लिए इनका शिकार किया जाना।